प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

वर्ष-3 | अंक-343 | मथुरा, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनीकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

गरीबी का हलफनामा, खाते में लाखों रुपये

जिले में करीब एक दर्जन मामले सामने आने से मचा हड़कम्प

दोषी मिलने पर पेंशन होगी बंद

आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले वृद्धा पेंशनधारकों की जांच शुरू

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गरीबी का हलफनामा देकर वृद्धावस्था पेंशन लेने वालों की शामत आने वाली है। जिले में वृद्धा पेंशन योजना से जुड़े कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें लाभार्थियों ने आयकर रिटर्न दाखिल किया है, लेकिन इसके बावजूद वे वृद्धापेंशन का लाभ ले रहे हैं। जिला समाज कल्याण विभाग की जांच में ऐसे करीब एक दर्जन मामले सामने आने के बाद विभाग ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, कुछ वृद्धा पेंशन पाने वाले लोगों ने हाल के समय में अपनी जमीन बेची है। जमीन बिकने के बाद उन्हें एक साथ बड़ी धनराशि मिली, जिसके कारण उन्हें आयकर रिटर्न दाखिल करना पड़ा। नियमों के अनुसार, निर्धारित आय से अधिक आय होने पर वृद्धा पेंशन का लाभ नहीं मिलना चाहिए। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्र पाल सिंह ने बताया कि विभाग को इस तरह के लगभग एक दर्जन प्रकरणों की जानकारी मिली है। सभी मामलों की विभागीय जांच कराई जा रही है। जांच में यह बात सामने आई है कि कुछ लाभार्थियों ने जमीन बिक्री के कारण रिटर्न दाखिल किया था, लेकिन उनकी पेंशन फाइलों में पहले से लगा आय प्रमाण पत्र अब तक बदला नहीं गया है। रिकॉर्ड में अभी भी वही पुराना आय प्रमाण पत्र लगा हुआ है, जिसके आधार पर पेंशन जारी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि फिलहाल सभी मामलों की गहन जांच की जा रही है। जांच के दौरान यह देखा जा रहा है कि संबंधित वृद्धा पेंशनधारक योजना की पात्रता शर्तों पर खरे उतरते हैं या नहीं। यदि किसी भी मामले में यह पाया जाता है कि गलत जानकारी देकर या आय छिपाकर पेंशन प्राप्त की गई है, तो ऐसे लाभार्थियों की वृद्धा पेंशन जांच के आधार पर निरस्त कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह के मामले सामने आने पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकारी योजनाओं का लाभ केवल वास्तविक और जरूरतमंद लोगों तक ही पहुंचा जाएगा।

ड्राइवर की हत्या के आरोप में चार गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर साइड न देने पर हुए विवाद में ट्रक चालक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। हत्या में प्रयुक्त डंडे, लोहे की रोड और कार भी बरामद की है। ट्रक चालक के साथ हाईवे पर जयगुरूदेव आश्रम के समीप साइड न देने के मामले में कार सवार युवकों ने उसे बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया था। घायल चालक को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक सूचना के आधार पर अड़ूकी मोड़ से अभियुक्त संदीप कुमार निवासी बरौठ थाना नौहझील, योगेश निवासी किरारई थाना फरह, पवन निवासी बरौठ निवासी नौहझील, लोकेश निवासी महादेव वाली गली नरहौली थाना हाईवे को गिरफ्तार किया। दो अभियुक्त वसुंधरा कॉलोनी, एक शकुंत बिहार कॉलोनी सलेमपुर रोड पर किराए के मकान में रह रहे थे।

बरसाना में श्री जी के दर्शन अब टोकन व्यवस्था से होंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना (मथुरा)। राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ और अव्यवस्थित दर्शन को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है। अब श्रद्धालुओं को टोकन सिस्टम के माध्यम से दर्शन कराए जाएंगे। इसके तहत मंदिर परिसर में काउंटर लगाकर श्रद्धालुओं को निशुल्क टोकन दिए जाएंगे और इसी टोकन नंबर के आधार पर दर्शन की अनुमति मिलेगी। यह व्यवस्था सीढ़ी मार्ग रोपवे मार्ग और परिक्रमा मार्ग से आने वाले सभी श्रद्धालुओं पर लागू होगी। होली के बाद इस नई व्यवस्था को पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा। मंदिर समिति के अनुसार इसका उद्देश्य दर्शन में होने वाली आपाधापी को रोकना और श्रद्धालुओं की संख्या का सही आकलन करना है। मंदिर समिति के रिसीवर आशीष कृष्ण शर्मा ने बताया कि बड़ी सिंहपौर पर पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है। यहीं काउंटर स्थापित कर टोकन सिस्टम लागू किया जाएगा। सभी श्रद्धालुओं को निशुल्क प्रसाद भी प्रदान किया जाएगा। कुछ दिन पहले इस व्यवस्था का आधे घंटे का ट्रायल किया गया था जो सफल रहा। होली के बाद अंतिम ट्रायल के बाद इसे स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में जूताघर का निर्माण कराया जा रहा है। 25 फरवरी को लठामार होली को देखते हुए पूरे परिसर में बिजली की नई फिटिंग कराई जा रही है ताकि शॉर्ट सर्किट जैसी किसी घटना से बचा जा सके। मंदिर के पीछे के मार्ग का चौड़ीकरण और निकास द्वार के एल आकार के रास्ते को सीधा करने का प्रस्ताव भी प्रशासन को सौंपा गया है। इससे श्रद्धालुओं को आवागमन में राहत मिलेगी और भीड़ नियंत्रित रहेगी। मंदिर परिसर में स्थित पुराने मंदिर का भी जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इस पुराने मंदिर का उपयोग छप्पन भोग बनाने और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे के रूप में किया जाएगा। पुराने मंदिर से नए मंदिर तक लोहे का पुल बनाया जाएगा जिससे भोग प्रसादी के आवागमन की व्यवस्था सुचारु रूप से हो सकेगी।

डिजिटल पढ़ाई के चलते मॉडल पेपरों की बिक्री घटी

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी में मोबाइल और यूट्यूब का बढ़ा चलन

किताबों की दुकानों पर कम हुई रौनक

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तैयारी का तरीका अब पहले जैसा नहीं रहा है। कुछ साल पहले तक छात्र बोर्ड परीक्षाओं से पहले मॉडल पेपर खरीदकर अपनी पढ़ाई किया करते थे। छात्र कई महीने पहले से ही मॉडल पेपर लेकर अभ्यास शुरू कर देते थे। उस समय किताबों की दुकानों पर काफी भीड़ रहती थी और मॉडल पेपरों की अच्छी बिक्री होती थी। पहले छात्र मॉडल पेपरों के माध्यम से प्रश्नों का अभ्यास करते थे और परीक्षा के पैटर्न को समझते थे। परीक्षा नजदीक आते ही बुक स्टोरों पर छात्रों की भीड़ लग जाती थीं। इससे किताब विक्रेताओं का काम भी अच्छा चलता था। लेकिन अब समय बदल गया है। नई तकनीक और डिजिटल माध्यमों के कारण मॉडल पेपरों की मांग लगातार कम होती जा रही है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और यूट्यूब ने छात्रों की पढ़ाई का तरीका पूरी तरह बदल दिया है। अब छात्र किताब खरीदने के बजाय मोबाइल पर ही पढ़ाई करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। किताब विक्रेता हेमंत कुमार ने बताया कि कोरोना काल से पहले तक छात्र काफी मॉडल पेपर खरीदते थे। उस समय परीक्षा से कई महीने पहले ही छात्र तैयारी शुरू कर देते थे। मॉडल पेपरों की बिक्री भी अच्छी होती थी। उन्होंने बताया कि जब से छात्रों ने मोबाइल के जरिए पढ़ाई शुरू की है, तब से मॉडल पेपरों की बिक्री में करीब 20 प्रतिशत तक की कमी आ गई है।

अब बहुत कम छात्र ही मॉडल पेपर खरीदने दुकान पर आते हैं। आजकल छात्र यूट्यूब, ऑनलाइन क्लासेज, डिजिटल नोट्स और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। पहले विकास, विद्या और अन्य प्रकाशनों के मॉडल पेपरों से छात्र तैयारियां करते थे। लेकिन अब इनकी मांग सीमित रह गई है। कुछ छात्र आज भी मॉडल पेपर लेते हैं, लेकिन उनकी संख्या बहुत कम है। डिजिटल पढ़ाई के बढ़ते चलन ने मॉडल पेपरों की जगह ले ली है। जहां पहले छात्र किताबों और मॉडल पेपरों पर निर्भर रहते थे, वहीं अब मोबाइल और इंटरनेट उनकी पहली पसंद बन चुके हैं।

ओल के हनी ट्रैपिंग मामले में महिला गिरफ्तार

चौकी इंचार्ज पहले ही छुट्टी लेकर निकल गया

मुख्य आरक्षी, हिस्ट्रीशीटर प्रधान आदि की तलाश जारी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चौकी ओल इलाके में हनीट्रैप मामले में शामिल महिला को पुलिस ने टाउनशिप के नजदीक से गिरफ्तार कर लिया है। चौकी इंचार्ज छुट्टी पर भाग गया, मुख्य आरक्षी और हिस्ट्रीशीटर प्रधान भी फरार हो गए। पुलिस इनकी तलाश में दबिश दे रही है। हनी ट्रैपिंग कांड में शामिल महिला को फरह पुलिस ने आज टाउनशिप के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि जगदीश निवासी अंगूठी थाना जगदीशपुरा, आगरा की जमीन रेलवे निगम द्वारा अधिग्रहण की गई थी। जमीन का काफी मुआवजा मिलने का पता लगने पर जगदीश को हनी ट्रैप में फंसाकर उसकी रकम हड़पने के लिए हिस्ट्रीशीटर प्रधान खूबीराम योजना बनाई। इन लोगों ने जगदीश को झूंठे बलात्कार के मामले में फंसाने के लिए ओल बुलाया और चौकी इंचार्ज ओल कपिल कुमार और मुख्य आरक्षी चालक राकेश के सहयोग से प्रधान खूबीराम ने पीड़ित जगदीश को चौकी इंचार्ज और मुख्य आरक्षी के सहयोग से चौकी पर ले जाकर उसका उत्पीड़न कर एक लाख रुपये वसूल लिए।

चार लाख रुपये के लिए कार को खड़ा करा लिया था। इस मामले में पीड़ित ने एडीजी आगरा को शिकायती पत्र दिया। जांच पर मामला सही पाए जाने पर इस मामले में मुकदमा लिखे जाने की भनक पाकर चौकी इंचार्ज छुट्टी पर भाग गया। मुख्य आरक्षी भी फरार हो गया। हिस्ट्रीशीटर प्रधान सहित अन्य अभियुक्तों की पुलिस तेजी से तलाश में जुट गई।

सावधान | बोतल पैक पानी सेहत के लिए कितना अच्छा

39 कंपनियों का पानी पीने लायक नहीं

दुकान के बाहर रखी बोतलों में पैक पानी।

क्या मथुरा में बिकने वाला पानी ठीक है

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले भर में बोतलों में पैक बिक रहा पानी क्या पीने योग्य है। इस सवाल का जवाब किसी के पास है। जिले के हर चौराहा, तिराहा, गली, होटल, रेस्टोरेंट पर बोतलों के पानी को लोग बड़े इत्मीनान से पी रहे हैं। किसी ने सोचा नहीं कि पानी कैसा है। वह क्या पीने योग्य है या नहीं। लखनऊ से आई एक रिपोर्ट ने बोतल का पानी पीने वालों को डरा सा दिया है। लोगों के मन में डर सा सता रहा है कि इस पानी को पीने से वह क्या बीमार हो सकते हैं। वजह है कि जिले में कई ब्रांडों का पानी धड़ल्ले से बिक रहा है। लोग उस पानी को बड़े विश्वास के साथ पी भी रहे हैं। किसी भी कार्यक्रम जाएंगे तो वह बोतल में पैक पानी ही पीने को मिलेगा। अभी हाल ही में लखनऊ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बोतल बंद पानी की 39 कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही करते उनके पानी की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों के पानी को पीने योग्य नहीं पाया गया है। इस कारण अब सवाल उठ रहा है कि क्या मथुरा जिले में बोतल बंद पानी पीने योग्य है या नहीं। इसका उत्तर तो मथुरा का खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ही दे सकता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि मथुरा जिले में कई ब्रांडेड कंपनियों के अलावा लोकल कंपनियों का बोतल बंद पानी बिक रहा है। बोतलों के साथ प्लास्टिक के पाउचों में भी पानी बिक रहा है। बोतलों के साथ–साथ पाउचों में बिक रहा पानी सही है या फिर नुकसानदायक। हैरान करने वाली बात है कि प्रशासन का कोई भी विभाग यह बताने को तैयार नहीं है कि जिले में पानी बेचने के कितने प्लांट चल रहे हैं। वह प्लांट मानकों पर कितना खरा उतर रहे हैं।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।

8394983366

राया नगर पंचायतः भ्रष्टाचार की जांच में 'मायाजाल'

ईओ पर जांच को गुमराह करने का आरोप

विशेष संवाददाता
यूनिक समय, राया (मथुरा)। नगर पंचायत राया में विकास कार्यों और सरकारी धन के बंदरबांट का मामला अब 'तारीख पर तारीख' और 'जवाब पर जवाब' के मकड़जाल में फंसता नजर आ रहा है। वार्ड सभासद अमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायतों के बाद स्थानीय प्रशासन में खलबली तो मची है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल 'कागजी लीपापोती' का खेल जारी है। सभासद अमित अग्रवाल ने सीधा हमला बोलते हुए अधिशासी अधिकारी पर जांच को भटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, "यह आश्चर्यजनक है कि एक ही बिंदु पर की गई शिकायतों के जवाब में विभाग हर बार अलग-अलग और परस्पर विरोधी आंकड़े पेश कर रहा है। जानकारों की मानें तो यह प्रशासनिक रणनीति जांच को लंबा खींचने और साक्ष्यों को कमजोर करने का एक सोचा-समझा प्रयास है। विकास कार्यों के टेंडर, खर्च के ब्यौरे और नगर की व्यवस्थाओं को लेकर किए गए सवालों पर ईओ कार्यालय की चुप्पी और भ्रामक रिपोर्ट शासन की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को चुनौती दे रही है। जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी स्तर से जांच शुरू होने के बावजूद, निचले स्तर के अधिकारियों द्वारा तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना इस बात का संकेत है कि 'सिंडिकेट' की जड़ें काफी गहरी हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, नगर की जनता में भी रोष पनप रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर चुने हुए प्रतिनिधि (सभासद) को ही गुमराह किया जा रहा है, तो आम जनता की सुनवाई का स्तर क्या होगा? सभासद अमित अग्रवाल ने साफ कर दिया है कि यदि जवाबदेही तय नहीं हुई और दोषियों को संरक्षण देना बंद नहीं किया गया, तो वे इस मामले को लोकायुक्त और उच्च न्यायालय की दहलीज तक ले जाएंगे।

सभासद अमित अग्रवाल ने खोला मोर्चा

मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायतों पर अधिकारियों ने खेल शुरू किया

एक ही सवाल, हर बार नया जवाबः अधिशासी अधिकारी की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह

बरसाना होली के लिए रोडवेज तैयार

175 बसों से मिलेगी श्रद्धालुओं को सुविधा

मुख्य संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की प्रसिद्ध बरसाना की लठामार होली को लेकर परिवहन निगम ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। हर साल की तरह इस बार भी देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बरसाना पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन निगम ने अतिरिक्त बस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। परिवहन निगम की ओर से 175 बसें चलाई जाएंगी। ये बसें अलग-अलग स्थानों से बरसाना के लिए चलेंगी, ताकि यात्रियों को आसानी हो सके। मथुरा से बरसाना के लिए 125 बसें लगाई जाएंगी। वृंदावन से 30 बसें, कोसी से 15 बसें और छाता से 5 बसें बरसाना तक चलेंगी। एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि इसी माह के अंतिम सप्ताह में होने वाली बरसाना होली को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बसों का संचालन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु समय पर बरसाना पहुंच सकें और होली कार्यक्रम के बाद सुरक्षित वापस लौट सकें।

उन्होंने कहा कि बसों की संख्या अधिक रहेगी भीड़ को कम करना और यात्रियों को आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराना है। बस अड्डों पर कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी, जो यात्रियों को सही जानकारी देंगे। हर साल बरसाना होली के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में परिवहन निगम की यह पहल श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

महाशिवरात्रि पर केशव कुंज कॉलोनी में होगा आयोजन

यूनिक समय, कोसीकलां। महाशिवरात्रि पर केशव कुंज कॉलोनी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार 15 फरवरी को सुबह 10 बजे मंदिर परिसर में भगवान शिव का दुग्धाभिषेक होगा। दोपहर एक बजे से पांच बजे तक महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन होगा। सायं 6 बजे मंदिर से भगवान शिव की विचित्र बारात कॉलोनी में भ्रमण करेगी। वहीं रात्रि 10 बजे शिव विवाह संपन्न होगा। दिल्ली-फरीदाबाद से आए कलाकारों द्वारा विशेष रूप से मां काली का तांडव नृत्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। वहीं अन्य कार्यक्रमों में राधा-कृष्ण का मयूर नृत्य, कृष्ण-सुदामा मित्रता की झांकी, भूतों की टोली, नंदी पर सवार भगवान शिव, तीन कालियों की झांकी, अघोरी नृत्य, महारास, आतिशबाजी, हनुमान जी की झांकी एवं फूलों की होली शामिल हैं। मेजिशियन डॉ. सीपी यादव द्वारा जादू शो होगा।

मेहंदीपुर बालाजी पदयात्रा पर बरसे फूल

कोसीकलां से निकाली मेहंदीपुर बालाजी के लिए जाती पदयात्रा की अगुवाई करते महंत कृष्णमुरारी भारद्वाज।

36 वीं पदयात्रा में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, कोसीकलां। शुक्रवार को गोमती कुंड सरोवर के समीप स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर से मन्दिर के महंत कृष्णमुरारी भारद्वाज के नेतृत्व में 36 वीं मेहंदीपुर बालाजी पदयात्रा के रवाना हुई। पदयात्रा के नगर भ्रमण के दौरान बाल महंत कपीश भारद्वाज मन्दिर की ध्वज पताका यात्रा की अगुवाई करते यात्रा को लेकर आगे चले।

नगर के प्रमुख चौराहों, गली गलियारों ने पदयात्रा का आरती उतार एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा के साथ चल रहे बैंड की धुनों पर भगवान श्रीराम और बालाजी महाराज के भजनों का गुणगान हो रहा था। इन पर महिलाएं और बच्चे नाचते झूमते नजर आई। पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, तरुण सेठ, अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजीव जाविया, देशबंधु अग्रवाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष भगवत प्रसाद रोहेला आदि ने महंत कृष्णमुरारी भारद्वाज और बाल महंत कपीश भारद्वाज का सम्मान किया। मेहंदीपुर बालाजी पदयात्रा के दौरान नगर पवनपुत्र हनुमान जी महाराज के जयकारों से गूंज उठा। छह दिनों के पड़ाव के बाद सातवें दिन मेहंदीपुर बालाजी धाम पहुँचेगी। दर्शन के उपरांत भंडारा होगा। फिर यात्रा कोसीकलां वापिस आएगी।

तापमान / मौसम

24 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

11 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,62,000
22 कैरट 1,49,040
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,60,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 — सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

जल निगम, मथुरा

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय
www.uniquesamay.com

प्रधानमंत्री के संदेश का जिले के स्कूलों में सीधा प्रसारण

बच्चों को मिली परीक्षा की सही सीख

मुख्य संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। परीक्षा पर आयोजित चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिले के हजारों छात्रों ने बड़े इत्मीनान से सुना। सैकड़ों विद्यालयों में इसका सीधा प्रसारण किया गया, जिससे विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक तनाव से दूर रहने के उपाय भी बताए गए। वृंदावन स्थित नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छात्राओं को दिखाया गया। छात्राएं शांत वातावरण में बैठकर प्रधानमंत्री के विचार सुनती रहीं। कार्यक्रम में परीक्षा को डर नहीं, बल्कि जीवन का एक सामान्य हिस्सा मानने की बात कही गई, जिससे छात्राओं में आत्मविश्वास देखने को मिला। जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र कुमार सिंह ने बताया कि इसी तरह जीजीआईसी परखम सहित जिले के अन्य विद्यालयों में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं से लेकर उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने परीक्षा चर्चा सुनी। शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि परीक्षा केवल अंक लाने का माध्यम नहीं है, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का अवसर भी है। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को समय का सही उपयोग करने, नियमित अध्ययन करने और मन को शांत रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों का सहयोग छात्रों के लिए बहुत जरूरी होता है। साथ ही यह भी बताया गया कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

वृंदावन स्थित नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनते विद्यार्थी।

धर्माचार्य ने छात्राओं को दिया आगे बढ़ने का मंत्र

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में कक्षा 10 वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कथा प्रवक्ता आचार्य देवकीनंदन ठाकुर जी, ज्योतिषाचार्य लक्ष्मीनारायण मिश्रा, श्रीमती रेखा माहेश्वरी, कमल खंडेलवाल एवं डॉ. प्रमोद अग्रवाल ने माँ सरस्वती के चित्रपट के सामने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

धर्माचार्य देवकीनंदन ठाकुर जी ने छात्राओं को आशीर्वचन दिया। कहा कि हमें अपने लक्ष्य और स्वयं को बड़ा बनाना है। सकारात्मक सोच, समय, स्वास्थ्य, स्मरणशक्ति व गुणों में श्रेष्ठ बनना है। इस अवसर पर पद्मनाभ गोस्वामी, विश्वनाथ गुप्ता, उमेश शर्मा, भरत शर्मा एवं प्रधानाचार्या डॉ. अंजू सूद आदि उपस्थित थे।

हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में छात्राओं को सफलता के टिप्स देते धर्माचार्य देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज।

हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आशीर्वाद समारोह

सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

डेयरी कर्मचारी की दुर्घटना में हुई मौत

ड्यूटी करके बाइक से घर लौट रहा था

टेंपो को डंपर ने मारी टक्कर, चालक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां में डेयरी से ड्यूटी समाप्त करने के बाद घर के लिए लौटते बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरी दुर्घटना में नौहझील इलाके में टेंपो को डंपर ने टक्कर मार दी, जिससे टेंपो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। गांव गिडोह निवासी समय सिंह कोसीकलां में किसी डेरी पर नौकरी करता था। बताया गया कि वह बीती रात ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक से घर के लिए जा रहा था। उसकी बाइक जैसे ही कोसी बठैन वाले रास्ते पर पहुंची। इसी दौरान तेज गति से आते किसी बड़े वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इसके साथ ही बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। घायल ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की तलाशी की तो उसके पास से मिले कागजात के आधार पर मृतक के परिवारीजनों को इस दुखद घटना की जानकारी दी। समय सिंह की मौत का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की खबर लगने पर काफी संख्या में ग्रामीण मोर्चरी पर पहुंच गए। नौहझील कस्बे निवासी अलीशेर पुत्र अल्लामहर टेंपो चलाता था। बताया गया कि वह प्रातः घर से टेपों लेकर निकला था। रात को वह शेरगढ़ की ओर से सवारियों को छोड़कर खाली टेंपो को लेकर घर के लिए आ रहा था। रास्ते में हनुमान मंदिर मकदूमपुर के निकट उसे किसी बड़े वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में टेंपो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये। अलीशेर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल की मौके पर कुछ देर बाद मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों को जब उसकी मौत का आज प्रातः पता लगा तो वहां कोहराम मच गया।

यूजीसी रोलबैक के लिए निर्णायक संघर्ष का ऐलान

आठ मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में महाआंदोलन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल के सामने मानव सेवा संघ में यूजीसी के कथित विवादित प्रावधानों के खिलाफ देशभर में उभरते असंतोष के बीच सनातन संगठनों ने निर्णायक संघर्ष का ऐलान कर दिया है।

इसी क्रम में सवर्ण समाज समन्वय समिति (एसफो) के आह्वान पर 8 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित यूजीसी रोलबैक महाआंदोलन के कार्ड का विमोचन किया गया। इस महाआंदोलन को शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप, श्री रामराज्य मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर राजेंद्र नरुका, सनातन धर्म रक्षापीठ के पीठाधीश्वर एवं कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप ने गर्जनात्मक स्वर में कहा कि यूजीसी के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक और सांस्कृतिक आघात किया जा रहा है, जो किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह केवल नियमों का प्रश्न नहीं, बल्कि सनातन चेतना, गुरु–शिष्य परंपरा और राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते इस काले कानून को वापस नहीं लिया, तो संत समाज सड़क से संसद तक संघर्ष करेगा। कुँवर राजेंद्र नरुका ने कहा कि देश के युवाओं को भ्रमित कर शिक्षा को बाज़ार के हवाले करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। यूजीसी के नए प्रावधान सीधे–सीधे सनातन मूल्यों पर प्रहार हैं। उन्होंने दिल्ली चलो का आह्वान करते हुए कहा कि यह आंदोलन किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का है जो राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा में विश्वास रखता है। सनातन धर्म रक्षापीठ के पीठाधीश्वर कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर ने ओजस्वी शब्दों में कहा कि जब–जब सनातन पर संकट आया है, तब–तब जनआंदोलन ने इतिहास बदला है। आज फिर वही समय है। 8 मार्च को रामलीला मैदान से उठने वाली आवाज सत्ता के गलियारों तक गूंजेगी। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के संस्थापक श्याम शर्मा एवं महामंत्री अर्जुन पंडित ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि सनातन, संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था की रक्षा का व्यापक संघर्ष है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी के इस कानून को समय रहते वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक व उग्र रूप दिया जाएगा। दिल्ली कूच को लेकर देशभर में तैयारियाँ तेज हैं। बड़ी संख्या में संत, शिक्षाविद् और सामाजिक संगठन इस महाआंदोलन में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर कुलदीप शर्मा, आशीष शर्मा, अभिषेक शर्मा, महावीर ठाकुर आदि उपस्थित थे।

प्रस्तावित यूजीसी रोलबैक महाआंदोलन के कार्ड का विमोचन करते संत।

बीड़ी के धुएं ने रोक दी गौडवाना एक्सप्रेस

धुएं से सक्रिय हो गई ट्रेन की स्मोक सेंसर प्रणाली

17 मिनट भूतेश्वर के निकट रात में खड़ी रही ट्रेन

बीड़ी पीने वाले वेंडर के खिलाफ दर्ज किया केस

यूनिक समय, मथुरा। गौडवाना एक्सप्रेस में अनधिकृत वेंडर द्वारा पी जाने वाली बीड़ी के धुएं से सक्रिय हुई स्मोक सेंसर प्रणाली के चलते ट्रेन रुक गई। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन करीब 17 मिनट खड़ी रही। ट्रेन में आग की सूचना पर आरपीएफ के जवानों ने मौके पर पहुंच कर बीड़ी पी रहे अनधिकृत वेंडर पर केस दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई की। जबलपुर से चलकर हजरत निजामुद्दीन जाने वाली ट्रेन संख्या 22181 गौडवाना एक्सप्रेस में गुरुवार की रात 2 बजकर 47 मिनट पर आग लगने की सूचना आरपीएफ को मिली। सूचना मिलने पर आरपीएफ थाने का स्टाफ तत्काल मौके पर पहुंच गया। ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ प्रियव्रत दहिया से मथुरा आरपीएफ थाने के स्टाफ ने सम्पर्क किया। प्रियव्रत दहिया ने बताया कि भूतेश्वर व वृंदावन रोड स्टेशन के मध्य स्मोक सेंसर एक्टिवेट हुए थे, जिसकी वजह से ट्रेन रुक गई। उन्होंने बताया कि ट्रेन के कोच संख्या बी–2 की गैलरी में खड़े होकर अनधिकृत वेंडर बीड़ी पी रहा था, जिसकी वजह से स्मोक सेंसर एक्टिवेट हो गए और ट्रेन रुक गई। ट्रेन के स्मोक सेंसर को बंद करने के बाद करीब 17 मिनट बाद 3 बजकर 04 मिनट पर ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया। आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक ने बताया कि कोच की गैलरी में खड़े होकर अनधिकृत वेंडर बीड़ी पी रहा था। जिसके धुएं से कोच का स्मोक सेंसर एक्टिवेट हो गया और ट्रेन रुक गई। बीड़ी पीने वाले वेंडर इंद्रपाल सिंह परमार पुत्र मानसिंह निवासी लीलाधर का पुरा मैथाना थाना सराय छौला जिला मुरैना (मध्य प्रदेश) के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसके विरूद्ध विधिक कार्रवाई की गई। वेंडर के पास यात्रियों को चाय बेचने से सम्बधित कोई विधिक अधिकार पत्र आदि नहीं मिला।

गोवर्धन में आंगनबाड़ी केंद्र बना मजदूरों का अस्थायी आवास

बच्चों की पढ़ाई व पोषण व्यवस्था बाधित

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन विकास खंड की ग्राम पंचायत अड़ींग में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र अपने मूल उद्देश्य से हटकर उपयोग में लिया जा रहा है। बच्चों की शिक्षा, पोषण और देखभाल के लिए बनाए गए इस केंद्र में वर्तमान में मजदूरों को ठहराया गया है, जिससे आंगनबाड़ी का संचालन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। मजदूरों ने बताया कि वे बिहार से काम करने आए हैं और ग्राम सचिव यतिन शर्मा द्वारा उन्हें यहां ठहरने की व्यवस्था कराई गई है। केंद्र में रह रहे मजदूर नौसाद खान और मोहम्मद आजाद ने बताया कि जब तक पाइपलाइन का कार्य चलेगा, वे यहीं रहेंगे। उनके अनुसार यह कार्य लगभग दो से चार महीने तक चल सकता है। मजदूरों का कहना है कि उन्हें किसी अन्य स्थान पर ठहरने का विकल्प नहीं दिया गया है। आंगनबाड़ी केंद्र में मजदूरों के रहने से बच्चों के बैठने, पढ़ने और पोषण संबंधी गतिविधियों के लिए कोई स्थान उपलब्ध नहीं है, जिससे छोटे बच्चों की शिक्षा और पोषण व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है।

इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। अमित, सोनू, मनोज, उदय प्रताप सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मजदूरों के लिए शीघ्र वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की जाए। ग्राम पंचायत सचिव यतिन शर्मा ने बताया कि जल जीवन मिशन का कार्य शासन की प्राथमिकता में है और मजदूरों के ठहरने के लिए फिलहाल कोई अन्य सरकारी भवन उपलब्ध नहीं था। इसलिए अस्थायी रूप से आंगनबाड़ी केंद्र में उन्हें ठहराया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य पूरा होते ही भवन को खाली

पेड़ पर लटके युवक के शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित औरंगाबाद में बैराज रोड पर पेड़ पर लटके मिले युवक की शिनाख्त हो गई है। युवक आगरा का रहने वाला है और राजमिस्त्री का काम करता है।

सदर बाजार पुलिस ने बैराज रोड पर कब्रिस्तान के समीप एक पेड़ पर लटके युवक का शव बरामद किया था। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस के अनुसार युवक की नरेंद्र पुत्र कैलाशीराम निवासी कोटाली बगीची आगरा के रूप में परिवार के लोगों ने की है। परिवार के लोगों ने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता था। वह घर से तीन चार दिन पूर्व निकला था। उसने आत्महत्या किस कारण की इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी।

बर्बाद हो रहा जल, टूटी हैं पाइप लाइन

फरह में कई स्थानों पर सप्लाई देने के समय खरंजों पर बहता है पानी

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा में लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के नाम पर प्रदूषित पानी की सप्लाई हो रही है। कई स्थानों पर पाइप लाइन टूटी होने की वजह से काफी मात्रा में पानी बर्बाद होता है, इन्हीं लाइनों से गंदगी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाती है, जो पानी के साथ फिर नागरिकों को मिलती है। नगर पंचायत की ओर से कस्बा के लोगों को सुबह और दोपहर को पानी सप्लाई किया जाता है। पाइप लाइनों के माध्यम से सप्लाई होने वाले पानी की इन दिनों कस्बा में खूब बर्बादी हो रही है। धीमर पाड़ा में कई स्थानों पर टूटी पाइप से पानी इंटरलॉकिंग खंरजों पर बहता रहता है। पानी सप्लाई बंद होने के बाद जमा गंदगी फिर से पाइप लाइन में पहुंच जाती है, जो दूसरे समय आने वाली सप्लाई के दौरान लोगों की बाल्टी तक आती है। कई करोड़ रुपये की लागत से कस्बा में पाइप लाइन बिछाकर पानी सप्लाई देने का काम होता है। पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल में डाली गई पाइप लाइन कमजोर हैं, जिसकी वजह से पानी का प्रेशर बढ़ते ही यह फट जाती हैं। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि सुबह और दोपहर को पानी सप्लाई के दौरान काफी पानी धीमर पाड़ा मोहल्ले में खंरजों पर बहता है। कई स्थानों पर पाइपलाइन फटी हुई है, लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं देते हैं। लोगों को

फरह के खरंजा पर बहते पानी का नजारा।

लीकेज पाइपलाइन की वजह से गंदगी भी जा रही अंदर, नहीं हो रही सुनवाई

नगर पंचायत द्वारा प्रदूषित पानी पिलाया जा रहा है, जिससे बीमारी होने की आशंका है। धीमरपाड़ा मोहल्ले में ही करीब आधा दर्जन स्थानों पर पाइप लाइन फटी होने की वजह से सैंकड़ों लीटर पानी बेकार में बह रहा है। कई महीनो से फटी पड़ी पाइप लाइन से यह पानी निकलकर इंटरलॉकिंग खंरजों को भी कमजोर कर रहा है, जिससे खंरजों के धंसने की संभावना होने लगी है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शिवकुमार ने बताया कि वह इसकी जानकारी करेंगे और जल्द ही पाइप लाइनों को दुरुस्त कराया जाएगा।

अग्रबंधु महिला सभा द्वारा बसंत पंचमी कार्यक्रम का आयोजन

बसंत पंचमी के कार्यक्रम में थिरकती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। अग्रबंधु महिला सभा द्वारा बसंत पंचमी का भव्य कार्यक्रम अग्रवाल होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें गेम्स, डांस और हाउज़ी प्रमुख रहे। कार्यक्रम में सभा की संरक्षिका ओमवती आंटी, अध्यक्ष रितु अग्रवाल, महामंत्री शिल्पी, कोषाध्यक्ष निशा सहित अनीता, चंचल, मोनिका, रिंकी, नीता, पूजा, मीनू, दीपिका और लता उपस्थित रहीं। डांस प्रतियोगिता में आरती, योगिता, नैना, मोनिका और निशा ने शानदार प्रस्तुति दी। गेम्स में निशा विजेता रहीं, जबकि हाउजी में कुमकुम, गायत्री, पूजा, राधा, प्रिया, स्नेहलता, मंजुलता, लक्ष्मी गोयल और चंचल ने जीत हासिल की।

मौसम साफ, चटकदार धूप से चढ़ा पारा

यूनिक समय, मथुरा/ फरह। गुरुवार के बाद शुक्रवार को मौसम साफ रहा तो दिन और रात का तापमान चढ़ गया। साफ मौसम की वजह से अधिकतम तापमान दो दिन में छह डिग्री सेल्सियस बढ़ गया तो न्यूनतम तापमान में भी दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो गई। अब मौसम विभाग ने आठ फरवरी तक तेज सतही बयार चलने की पूर्वानुमान जारी किया है। सुबह से ही मौसम साफ था, इस दौरान मध्यम गति से चलने वाली बयार जरूर लोगों को सर्दी का एहसास कर रही थी। धूप भी सूर्योदय के होते ही निकल आई। जैसे–जैसे दिन चढ़ता चला गया, धूप तेज होती चली गई। तेज धूप की वजह से दो दिन पहले 20 डिग्री सेल्सियस पर टिका अधिकतम तापमान भी 25 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा, जबकि न्यूनतम तापमान भी नौ डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि आठ फरवरी तक तेज सतही बयार चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इसके बाद तीन दिन तक सुबह के समय हल्का कोहरा और धुंध छाई रहेगी।

जांच में आरोप गलत पाए जाने पर प्रधानाध्यापक बहाल

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय नौहझील प्रथम के प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद को निलंबन से सवेतन बहाल कर दिया गया है। उनके खिलाफ दी गई शिकायत की विभागीय जांच में कोई भी आरोप सही नहीं पाए गए।

बाजना के मंडल अध्यक्ष दुर्गेश प्रधान की शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी नौहझील से रिपोर्ट मंगाई गई थी। इसके आधार पर जान मोहम्मद पर अपने पद के दायित्व ठीक से न निभाने और सरकारी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उन्हें निलंबित किया गया था। मामले की जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी छाता और मांट की दो सदस्यीय समिति बनाई गई। जांच समिति ने विद्यालय में जाकर छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और अन्य लोगों से बातचीत की।

साथ ही लिखित साक्ष्य भी जुटाए गए। पूरी जांच के बाद समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जान मोहम्मद पर लगाए गए सभी आरोप गलत हैं और शिकायत पूरी तरह झूठी पाई गई। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने आदेश जारी करते हुए प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद को निलंबन की तिथि से सवेतन बहाल कर दिया है।

जिले में सुरक्षा कर्मियों की भर्ती के लिए विकास खंडों में लगेंगे पंजीयन शिविर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने जानकारी दी है कि जीडीएक्स सिक्योरिटी, नोएडा द्वारा मथुरा के विभिन्न विकास खंड परिसरों में सुरक्षा कर्मियों के पदों के लिए पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से उम्मीदवारों का पंजीयन कर प्रशिक्षण के उपरांत ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। जिला विकास अधिकारी ने बताया कि पंजीयन शिविरों का आयोजन निर्धारित तिथियों पर संबंधित विकास खंड परिसरों में किया जाएगा। दस फरवरी को विकास खंड परिसर फरह, ग्यारह फरवरी को बल्देव, बारह फरवरी को नंदगांव, तेरह फरवरी को छाता, सोलह फरवरी को गोवर्धन, सत्रह फरवरी को मांट, अठारह फरवरी को नौहझील, उन्नीस फरवरी को राया, बीस फरवरी को चौमुहा तथा इक्कीस फरवरी को विकास खंड परिसर मथुरा में शिविर आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि सभी पंजीयन शिविर प्रातः ग्यारह बजे से सायं चार बजे तक चलेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर संबंधित विकास खंड परिसर में पहुंचकर पंजीयन करा सकते हैं।

तानसेन क्रिकेट अकेडमी ग्वालियर की लगातार दूसरी जीत

पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी एस के खान ग्वालियर के देव कंसाना को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देते हुए।

विजेता खिलाड़ी को सम्मानित करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। ग्वालियर-मथुरा अंडर–13 ट्राई सीरीज के तहत सी.पी. क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तानसेन क्रिकेट अकेडमी ग्वालियर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीएई मथुरा को हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। ग्वालियर के कप्तान हिमांशु गुर्जर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्वालियर की टीम 34 ओवर में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से सक्षम श्रीवास्तव ने 45 रन बनाए, जबकि हिमांशु गुर्जर और मनीष ने 23–23 रनों का योगदान दिया। सीएई मथुरा की ओर से ध्रुव द्विवेदी, कुश शर्मा, यश दीक्षित और रुद्र प्रताप सिंह द्वितीय ने दो–दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएई मथुरा की टीम 30 ओवर में 101 रन पर सिमट गई। सक्षम चौधरी ने नाबाद 38 रन बनाए। ग्वालियर की ओर से देव कंसाना ने तीन और मनीष ने दो विकेट लिए।

ग्वालियर की टीम ने 185 रन बनाकर सीरीज पर किया कब्जा

आरएसआईएस रावल ने 109 रन से जीता मुकाबला, ऋषभ बने मैन ऑफ द मैच

यूनिक समय, मथुरा। रमनलाल शोरावाला इंटरनेशनल स्कूल रावल में आयोजित फर्स्ट श्री गोरी लाल गोयल मेमोरियल क्रिकेट चैंपियनशिप अंडर–16 बॉयज 2026 के तहत गुरुवार (6 फरवरी 2026) को रमनलाल शोरावाला इंटरनेशनल स्कूल रावल (आरएसआईएस) और रमनलाल शोरावाला पब्लिक स्कूल मथुरा (आरएसपीएस) के बीच मुकाबला खेला गया। मैच में आरएसआईएस रावल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 234 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से पार्थ ने शानदार 42 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएसपीएस मथुरा की टीम 125 रन पर ऑल आउट हो गई। आरएसपीएस की ओर से आयुष ने 56 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में आरएसआईएस के ऋषभ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। शानदार ऑल–राउंड प्रदर्शन के लिए ऋषभ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह जानकारी प्रतियोगिता के आयोजक कृष्णवीर सिंह तोमर, अमित सारस्वत और राहुल रावत ने दी।

पुलिस महकमे के फॉलवर की बीमारी से मौत

यूनिक समय, मथुरा। मैनपुरी में पुलिस विभाग में फॉलवर की नौकरी करने वाले कर्मचारी की बीती रात बीमारी के चलते मौत हो गई। लक्ष्मीनगर पानी की टंकी निवासी अशोक कुमार (45) मैनपुरी में पुलिस विभाग में फॉलवर के रूप में तैनात था। वह करीब दो माह से अधिक से बीमार चल रहा था। परिवार के लोगों का कहना है कि उसके फेफड़े आदि खराब हो गए थे। कल उसकी हालत खराब होने पर उसे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां पर हालत में सुधार न आने पर जिला अस्पताल में लाया गया।

जिला अस्पताल से चिकित्सकों ने उसकी हालत देखने के बाद एसएन मेडिक्ल कॉलेज आगरा के लिए रेफर कर दिया। एम्बुलेंस से आगरा ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरित मोबिलिटी से बदलेगा ब्रज का चेहरा

श्रद्धालुओं को मिलेगी जाम और प्रदूषण से राहत : डीएम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को अब जाम, धुएं और अव्यवस्थित ट्रैफिक से जल्द राहत मिल सकती है। ग्रीन मोबिलिटी जोन (जीएमजेड) की शुरुआत को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि यह योजना केवल यातायात सुधार की नहीं, बल्कि ब्रज की आध्यात्मिक शांति और पर्यावरणीय पवित्रता को लौटाने की दिशा में बड़ा कदम है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राहगीरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय कार्यशाला में उन्होंने कहा कि श्रद्धालु यहां सुकून और भक्ति की भावना लेकर आते हैं, लेकिन भीड़ और प्रदूषण उनके अनुभव को प्रभावित करता है। जीएमजेड से यह स्थिति बदलेगी। कार्यशाला में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस विभाग

कलेक्ट्रेट सभागार में राहगीरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते डीएम सीपी सिंह।

और शहरी परिवहन विशेषज्ञों ने मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुविधाजनक और जाम-मुक्त बनाने की कार्ययोजना पर चर्चा की। नगर आयुक्त जगप्रवेश ने बताया कि वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन उपयोग का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए चार्जिंग स्टेशन, ई–बसें और बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित की जाएगी। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि ट्रैफिक प्रबंधन और सख्त निगरानी से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट और आईसीसीटी के विशेषज्ञों ने बताया कि बड़े शहरों में 50 प्रतिशत से अधिक प्रदूषण का कारण वाहन हैं। इसी को देखते हुए मथुरा-वृंदावन में लो–एमिशन जोन लागू करने की तैयारी है, जिससे प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का प्रवेश सीमित होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मंदिरों और घाटों के आसपास अव्यवस्थित पार्किंग और निजी वाहनों की अधिक संख्या के कारण श्रद्धालुओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बांके बिहारी, प्रेम मंदिर और प्रमुख घाटों तक पैदल पहुंचना भी जोखिम भरा हो गया है। योजना के तहत शहर के बाहर विकसित पार्किंग स्थलों से मंदिरों और होटलों तक ई–रिक्शा और धार्मिक बस सेवा चलाई जाएगी, ताकि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत मिल सके। विशेषज्ञों ने बताया कि मथुरा-वृंदावन की कई सड़कें और अंडरपास 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं, जो भारी वाहनों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। इसके कारण जाम की समस्या बनी रहती है और पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ भी लगभग नदारद हैं। ग्रीन मोबिलिटी जोन के तहत फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कर छायादार और सुरक्षित बनाया जाएगा।

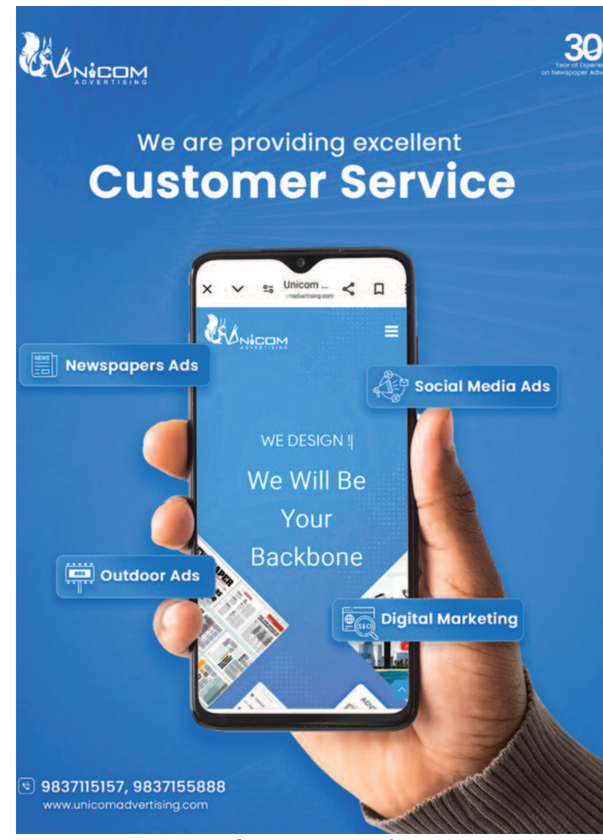

भक्तमाल कुटी में निंबार्क भूषण डॉ. प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति महोत्सव आठ को

विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों का होगा सम्मान

यूनिक समय, वृन्दावन। अठखंबा क्षेत्र निकट श्री मोटे गणेश मन्दिर स्थित भक्तमाल कुटी में श्रीभक्तमाल परिषद् व निंबार्क भूषण डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रीभक्तमाल जयंती महोत्सव तथा निंबार्क भूषण निकुंजवासी डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव का पुण्य स्मृति महोत्सव 8 फरवरी को मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 07 बजे से 10 बजे तक सन्त–सेवा, पूजन अर्चन एवं अमनिया वितरण होगा। सुबह 09 बजे से 12:30 बजे तक सुमधुर संगीतमय श्रीभक्तमाल जी का पाठ व मंगल बधाई समाज गायन होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत विशिष्ट जन सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

हत्या के प्रयास के झूठे मुकदमे का षडयंत्र करने पर दो गिरफ्तार

महिला और अभियुक्त से पुलिस को तमंचा कारतूस मिले

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने हत्या के प्रयास कर साजिशन झूठा मुकदमा दर्ज कराने की योजना बनाने वाले एक महिला और पुरुष को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गांव गढ़ी हरिया निवासी कुवंरपाल सिंह ने गोली मारने के मामले में 30 जनवरी को गांव के गुलवीर निवासी गांव खोंड़ा ललित निवासी गढ़ी हरिया के खिलाफ रंजिश में गोली मारकर उसकी हत्या करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए आज अभियुक्त मनोज निवासी गढ़ी हरिया को गिरफ्तार किया। पुलिस को पूछताछ में उसने बताया कि कुवंरपाल का मनवीर के साथ काफी समय रंजिश चल रही है। कुंवरपाल उस पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराना चाहता था। ललित के साथ भी काफी समय से लड़ाई चल रही है। इसके चलते ललित को भी हत्या के प्रयास मामले में नामजद किया। 28 जनवरी की रात को कुंवरपाल को उसके खेत पर दो गोली मारी इसके बाद महिला वहां से तमंचा कारतूस लेकर चली गई। पुलिस ने इस मामले में मनोज कुमार और महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया।

रिफाइनरी के बड़े अधिकारी के घर से लाखों की चोरी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कड़ी सुरक्षा के बीच मथुरा रिफाइनरी परिसर में ईडी बंगले के बराबर स्थित रिफाइनरी प्रबंधन के एक वरिष्ठ अधिकारी के आवास को चोरों ने निशाना बना डाला। चोरों ने लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। इस वारदात ने रिफाइनरी की सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती दे दी है। बताया गया है कि अधिकारी का परिवार शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोलकाता गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने बंद पड़े बंगले को निशाना बनाते हुए अलमारी और लॉकर तोड़कर कीमती जेवरात चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलते ही रिफाइनरी प्रबंधन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। चोरों ने इत्मीनान से हाथ साफ किया। बंगले के दरवाजे का ताला चटका हुआ देखकर लोगों ने शादी में गए हुए अधिकारी को फोन किया, तब पता चला कि रिफाइनरी के बड़े अधिकारी के यहां से चोरों ने लाखों के जेवरात और कीमती सामान पर हाथ साफ किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस इलाके में यह चोरी हुई, वहां रिफाइनरी नगर की सुरक्षा के लिए करीब सवा सौ डीजीआर गार्ड तैनात हैं। इसके बावजूद ईडी बंगले से सटे अधिकारी के आवास में चोरी की वारदात ने सुरक्षा प्रबंधों की पोल खोल दी है।

सूत्रों के अनुसार, चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा। रिफाइनरी नगर के आवास संख्या 1/263 में रहने वाले अशोक कुमार पुत्र लाल मंडल ने पुलिस को तहरीर दी है कि उसके आवास का ताला तोड़ कर चोर वहां रखा सामान नकदी और जेवरात आदि को चोरी कर ले गए।

गुरुदेव श्री नारायणदास भक्तमाली की पुण्यतिथि महोत्सव का समापन

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री तोताराम मंदिर रामनगर पर गुरुदेव श्री नारायणदास भक्तमाली की 18 वें पुण्यतिथि महोत्सव का आज समापन हो गया। गुरुदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए मौनी बाबा कोटवन वाले, महंत प्रहलाद दास, वृंदावन गिरि बाबा बरसाना, भरत दास, बृज बिहारी वृंदावन, धर्मदास गोवर्धन, रामदयाल गोपाल बाग आदि संत आए। सभी का दुपट्टा उढ़ाकर आश्रम के महंत नरहरिदास ने स्वागत किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में ट्रस्ट के सचिव सुभाष बजाज, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, प्रबंधक नवल किशोर, निरीक्षक सुभाष शर्मा, धर्मवीर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मकान से चोरी, थाने में तहरीर

यूनिक समय, कोसीकला। गोपाल नगर क्षेत्र स्थित एक मकान से चोरी होने की तहरीर मुकेश अग्रवाल ने थाने में दी है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज के संकाय सदस्यों को दी योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा

तीन दिवसीय कार्यशाला में चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम पर मंत्रणा

बीसीएमई कार्यशाला में अनुभव साझा करते विषय विशेषज्ञ।

यूनिक समय, मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज में संकाय सदस्यों को योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा (कम्पिटेंसी बेस्ड मेडिकल एज्यूकेशन) से अवगत कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कॉलेज के 30 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की आब्जर्वर प्रो. (डॉ.) पूनम लाम्बा की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षु संकाय सदस्यों को बेसिक कोर्स इन मेडिकल एज्यूकेशन (बीसीएमई) के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। के.डी. मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए इस प्रकार की कार्यशालाएं अत्यंत उपयोगी हैं।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों को बदलते शैक्षणिक ढांचे से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. आर.के. अशोका ने एनएमसी द्वारा चिकित्सा शिक्षा में किए जा रहे सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों को संशोधित योग्यता आधारित पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रभावी फैसिलिटेटर के रूप में तैयार करना है।

बीसीएमई समन्वयक डॉ. अमित कुमार जैन ने बताया कि कार्यशाला एनएमसी के दिशा–निर्देशों एवं मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इसमें सीखने की प्रक्रिया, शिक्षण–अधिगम विधियां, मूल्यांकन तकनीक, रचनात्मक एवं आंतरिक मूल्यांकन, प्रभावी फीडबैक तथा स्व–निर्देशित शिक्षण पर विशेष चर्चा की गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को पाठ योजना निर्माण, मूल्यांकन डिजाइन और शिक्षण कौशल सुधार की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा कर संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन किया।

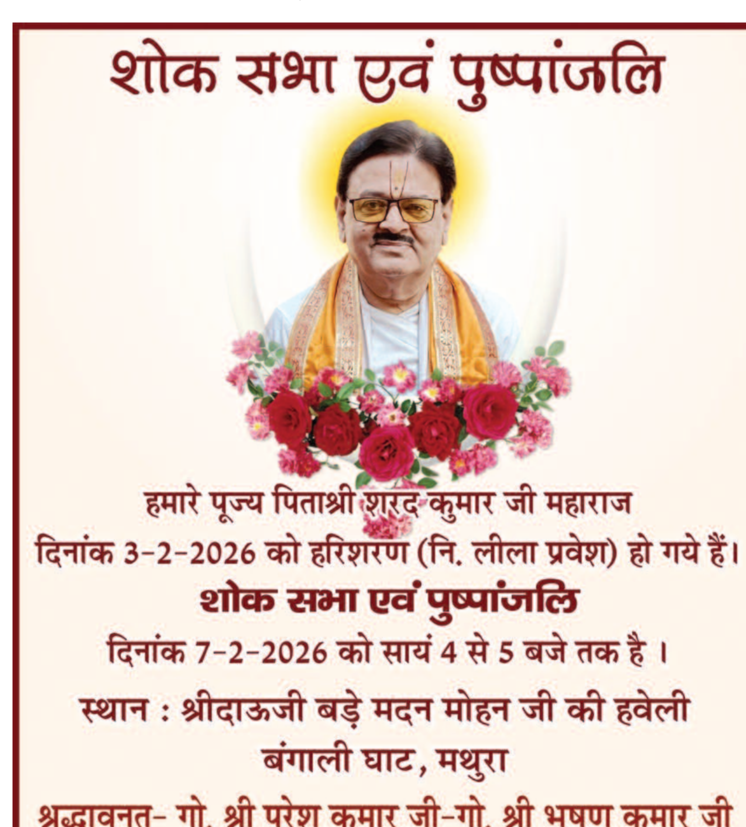

बेटे ने पिता के जन्मदिन को बना दिया यादों का त्योहार

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में जन्मदिन का मतलब अक्सर महंगे गिफ्ट, फाइव-स्टार डिनर और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह गया है, लेकिन महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले एक बेटे ने अपने पिता के 62वें जन्मदिन पर ऐसा सरप्राइज दिया, जिसने न सिर्फ उनके पापा बल्कि पूरे इंटरनेट को भावुक कर दिया। यह दिल छू लेने वाली कहानी है गौरव रायते और उनके रिटायर्ड पिता की।

गौरव का मानना था कि जिस तरह हम अपने दोस्तों के साथ जन्मदिन सेलिब्रेट कर खुश होते हैं, उसी तरह हमारे माता-पिता भी उस खुशी के हकदार हैं। इसी

सोच के साथ उन्होंने अपने पिता के लिए एक खास "सीक्रेट मिशन" शुरू किया। गौरव ने अपने पिता के उन स्कूली दोस्तों को ढूंढ निकाला, जिनसे

50 साल बाद दोस्तों से मिलकर भावुक हुए पापा

वे करीब 50 सालों से नहीं मिले थे। यह काम आसान नहीं था, लेकिन बेटे की मेहनत और जज्बे ने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया। जन्मदिन के दिन गौरव अपने पिता को एक रेस्टोरेंट की छत पर लेकर पहुंचे, जहां असली सरप्राइज उनका इंतजार कर रहा था। जैसे ही पिता वहां पहुंचे, सामने अपने बचपन के जिगरी दोस्तों को देखकर वे कुछ पल के लिए ठिठक गए। आंखें भर आईं और चेहरे पर वही मासूम मुस्कान लौट आई, जो बरसों पहले स्कूल के दिनों में हुआ करती थी। दोस्तों ने उन्हें गले लगाया, माला पहनाई और फिर सभी ने मिलकर केक काटा। कुछ ही पलों में 62 साल के पिता फिर से वही शरारती स्कूल बॉय बन गए। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर भावनाओं का सैलाब ला दिया है। यूजर्स गौरव की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "माता-पिता को उनकी पुरानी यादें लौटा देना, सबसे कीमती तोहफा है।" वाकई, यह वीडियो याद दिलाता है कि रिश्तों की असली खुशी महंगे गिफ्ट में नहीं, बल्कि यादों को फिर से जीने में छुपी होती है।

रोज डे पर पार्टनर को दें मीठा सरप्राइज घर पर बनाएं कोकोनट रोज लड्डू

यूनिक समय, नई दिल्ली। रोज डे वैलेंटाइन वीक का सबसे खास और रोमांटिक दिन माना जाता है। इस दिन लोग अपने पार्टनर को गुलाब देकर प्यार का इजहार करते हैं, लेकिन अगर आप इस बार कुछ अलग और यादगार करना चाहते हैं, तो घर पर बना मीठा सरप्राइज बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

नारियल की मिठास और गुलाब की खुशबू से बने ये लड्डू प्यार और केयर का अहसास कराते हैं। कम समय में तैयार होने वाली यह स्वीट डिश रोज डे को और भी खास बना सकती है। अपने हाथों से बनी मिठाई आपके पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान जरूर ले आएगी। **आवश्यक सामग्री-** 2 कप कसा हुआ नारियल, 1 कप कंडेंस्ड मिल्क, 2 चम्मच मिल्क पाउडर, 1 छोटा चम्मच गुलाब जल, 1 बड़ा चम्मच गुलाब की पंखुड़ियां (बारीक कटी), 1 चम्मच घी, सजाने के लिए ड्राई रोज पेटल्स। **बनाने की विधि-** एक पैन में घी गर्म करें और उसमें कसा हुआ नारियल डालकर 2-3 मिनट तक हल्का भून लें। नारियल की कच्ची खुशबू खत्म होते ही उसमें कंडेंस्ड मिल्क और मिल्क पाउडर मिलाएं। धीमी आंच पर लगातार चलाते रहें। अब गुलाब जल और गुलाब की पंखुड़ियां डालें। जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए, गैस बंद करें। हल्का ठंडा होने पर लड्डू बनाएं और ड्राई रोज पेटल्स से सजाकर सर्व करें।

आयुर्वेद में कौन–सी चीजें कैंसर को कंट्रोल करने में सहायक मानी जाती हैं?

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैंसर का नाम सुनते ही डर लगना स्वाभाविक है। यह बीमारी न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को तोड़ देती है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में वात-पित्त-कफ दोषों का असंतुलन, कमजोर अग्नि और विषैले तत्वों का जमाव कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। आयुर्वेद कैंसर को जड़ से खत्म करने का दावा नहीं करता, लेकिन इम्युनिटी मजबूत कर शरीर को इससे लड़ने में सक्षम बनाने में सहायक माना जाता है।

अश्वगंधा : इम्युनिटी बूस्टर- अश्वगंधा को आयुर्वेद में रसायन माना गया है। इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। कीमोथेरेपी के दौरान होने वाली थकान, तनाव और नींद की समस्या में यह सहायक हो सकता है। कुछ शोधों में इसे कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को धीमा करने से जोड़ा गया है।

हल्दी: सूजन कम करने में मददगार- हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट है। यह शरीर की सूजन कम करने, फ्री–रेडिकल्स से कोशिकाओं की रक्षा करने और दोबारा कैंसर होने की संभावना को घटाने में सहायक माना जाता है।

गिलोय: अमृत समान औषधि- गिलोय को आयुर्वेद में 'अमृत' कहा गया है। यह शरीर को डिटॉक्स करने, इम्युनिटी बढ़ाने और कीमोथेरेपी के बाद रिकवरी में मदद कर सकती है। तुलसी और कालमेघ के फायदे, तुलसी में मौजूद एंटी, ऑक्सीडेंट गुण कैंसर कोशिकाओं की बढ़त को रोकने में सहायक माने जाते हैं। वहीं कालमेघ लिवर को शुद्ध करने, पाचन सुधारने और विषैले तत्वों को कम करने में मदद करता है। जरूरी सावधानी, आयुर्वेदिक उपाय इम्युनिटी और जीवन-शैली सुधारने में सहायक हैं, लेकिन कैंसर का मुख्य इलाज नहीं। किसी भी आयुर्वेदिक औषधि को अपनाने से पहले विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है।

रूखे–बेजान बालों से हैं परेशान?

सिर्फ एक चम्मच अलसी से पाएं शाइनी हेयर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल गलत लाइफस्टाइल, प्रदूषण, केमिकल प्रोडक्ट्स और हीट स्टाइलिंग की वजह से बाल तेजी से रूखे और बेजान हो रहे हैं। बालों को चमकदार बनाने के लिए लोग केराटिन और हेयर बोटॉक्स जैसे महंगे ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन इनके साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। अगर आप बालों को नेचुरली शाइनी और मुलायम बनाना चाहते हैं, तो अलसी और चावल आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

अलसी और चावल दोनों ही बालों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और इ मौजूद होते हैं, जो बालों को हाइड्रेशन देते हैं और स्कैल्प को पोषण पहुंचाते हैं। वहीं चावल का पानी बालों की जड़ों को मजबूत करता है और टूटने-झड़ने की समस्या को कम करता है। इन दोनों का एक साथ इस्तेमाल बालों को प्राकृतिक रूप से स्मूद और शाइनी बनाता है, ठीक केराटिन ट्रीटमेंट की तरह। एक बर्तन में एक कप पानी लें। इसमें एक चम्मच अलसी के बीज और एक चम्मच चावल डालें।

अब इसे धीमी आंच पर करीब 10 मिनट तक उबालें। जब पानी गाढ़ा होकर जेल जैसा हो जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इस मिश्रण को छान लें और इसमें एक चम्मच बादाम का तेल मिला लें। तैयार जेल को बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह लगाएं। लगभग 30 मिनट बाद हल्के शैम्पू से बाल धो लें। नियमित इस्तेमाल से बाल मखमली, मुलायम और चमकदार नजर आने लगेंगे।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए चुकंदर का जूस: कब, कैसे और कितने दिन तक पीना है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। हीमोग्लोबिन खून का एक बेहद जरूरी घटक है, जो शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम हो जाती है, तो थकान, कमजोरी, चक्कर आना और सांस फूलने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। ऐसे में हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए चुकंदर का जूस एक लोकप्रिय घरेलू उपाय माना जाता है। लेकिन क्या यह वाकई असरदार है और इसे सही तरीके से कैसे पीना चाहिए, आइए जानते हैं।

एक्सपर्ट क्या कहते हैं?- पीएसआरआई हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट हेमेटोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अमित उपाध्याय के अनुसार, चुकंदर आयरन, फोलेट, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। आयरन हीमोग्लोबिन के निर्माण में मदद करता है, जबकि फोलेट रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाने में सहायक होता है। नियमित रूप से चुकंदर का सेवन करने से खून की कमी में धीरे-धीरे सुधार देखा जा सकता है।

चुकंदर का जूस सुबह खाली पेट पीना सबसे बेहतर माना जाता है, क्योंकि इस समय शरीर पोषक तत्वों को अच्छी तरह अवशोषित करता है। अगर खाली पेट जूस पीना भारी लगता है, तो नाश्ते के एक घंटे बाद भी इसका सेवन किया जा सकता है। आयरन के अवशोषण को बढ़ाने के लिए इसमें नींबू या गाजर का रस मिलाना फायदेमंद रहता है। रोजाना 150 से 200 मिली चुकंदर का जूस पर्याप्त होता है। इससे ज्यादा मात्रा लेने पर गैस, एसिडिटी या ब्लड प्रेशर कम होने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए चुकंदर का जूस कम से कम 3 से 4 हफ्तों तक नियमित रूप से पीना चाहिए। गंभीर एनीमिया की स्थिति में केवल जूस पर निर्भर न रहें और डॉक्टर की सलाह जरूर लें। लो ब्लड प्रेशर, किडनी स्टोन, डायबिटीज के मरीज और गर्भवती महिलाएं चुकंदर का जूस शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

मां के आशीर्वाद से सीजे रॉय ने बिना कर्ज के खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। रियल एस्टेट की दुनिया में सही समय पर लिया गया फैसला किस तरह इतिहास बदल देता है, इसकी मिसाल हैं चिरियानकंदथ जोसेफ रॉय उर्फ सीजे रॉय। कोच्चि में जन्मे और बेंगलुरु को कर्मभूमि बनाने वाले रॉय ने छोटे स्तर के प्रॉपर्टी काम से मिली सीख को करीब 8,400 करोड़ रुपये के रियल एस्टेट साम्राज्य में बदल दिया। आज वे देश के उन चुनिंदा डेवलपर्स में शामिल हैं, जिन्होंने बिना कर्ज के भारत से लेकर अमेरिका तक अपनी पहचान बनाई। सीजे रॉय की सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण रहा- भविष्य को पहले देख पाना। साल 2001 में जब ज्यादातर डेवलपर्स सेंट्रल बेंगलुरु तक सीमित थे, रॉय ने शहर के बाहरी इलाकों पर दांव लगाया। उस वक्त सरजापुर रोड खेती की जमीन के तौर पर जानी जाती थी, जहां एक एकड़ जमीन महज 6 लाख रुपये में मिल जाया करती थी। लोगों को यह इलाका शहर से बहुत दूर लगता था, लेकिन रॉय को यहां अगला टेक हब दिखाई दे रहा था। व्हाइटफील्ड और इलेक्ट्रॉनिक सिटी के तेजी से विकास को देखते हुए उन्होंने अनुमान लगाया कि सरजापुर रोड भविष्य में इन दोनों को

जोड़ने वाला अहम कॉरिडोर बनेगा। विरोध के बावजूद उन्होंने यहां 150-200 एकड़ जमीन खरीदी। वक्त ने साबित किया कि उनका फैसला सही था और कुछ ही वर्षों में इस इलाके में जमीन के दाम दस गुना तक बढ़ गए। रॉय ने 1991 में कॉन्फिडेंट ग्रुप की नींव रखी। 31 मार्च 2025 तक कंपनी की कुल संपत्ति 2,039 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी थी। आज यह ग्रुप भारत, यूएई और अमेरिका में 159 प्रोजेक्ट्स पूरे कर चुका है। रियल एस्टेट के साथ–साथ ग्रुप शिक्षा और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में भी सक्रिय है।

बेंगलुरु का 3,000 करोड़ रुपये का ज़ायन हिल गोल्फ काउंटी इसका प्रमुख प्रोजेक्ट माना जाता है।

केरल में शुरुआती दौर में रॉय को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कोच्चि के पास बने प्रोजेक्ट्स को खरीदार नहीं मिल रहे थे। इसके बाद उन्होंने एक रियलिटी टीवी शो के जरिए अपने प्रोजेक्ट्स का प्रचार किया, जिससे उनकी पहचान तेजी से बढ़ी और बिक्री को रफ्तार मिली। रियल एस्टेट के अलावा सीजे रॉय का नाम एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भी जाना जाता है। वे मलयालम फिल्म 'कसानोवा' के निर्माता रह चुके हैं और कई बड़े टीवी शोज के टाइटल स्पॉन्सर भी रहे हैं। लग्जरी कारों के शौकीन रॉय के पास रोल्स-रॉयस, लैम्बॉर्गिनी और बुगाटी जैसी कारों का कलेक्शन है।

सीजे रॉय की कहानी आज एनसीआर समेत देश के रियल एस्टेट निवेशकों के लिए यह संदेश देती है कि धैर्य, दूरदृष्टि और कर्ज-मुक्त रणनीति से लंबी रेस जीती जा सकती है।

सुविचार

आपको पता है, कड़ी मेहनत की आवाज होती है वह शब्दों की आवाज से ज्यादा जोरदार होती है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी 11:09-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरा फाल्गुनी 03:27-01:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय	07:12 AM	चन्द्रोदय	04:17 PM
सूर्यास्त	06:10 PM	चंद्रास्त	06:39 AM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	12:09PM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	01:54 AM-03:16 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इन दो मूलांक वालों पर रहती है कुबेर देव की विशेष कृपा, कम उम्र में बन जाते हैं धनवान

यूनिक समय, मथुरा। अंकज्योतिष में जन्मतिथि के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव, करियर और आर्थिक स्थिति के बारे में कई अहम बातें बताई गई हैं। कुछ मूलांक ऐसे माने जाते हैं, जिन पर धन के देवता कुबेर की विशेष कृपा बनी रहती है। ऐसे लोग न सिर्फ मेहनती होते हैं, बल्कि पैसों के मामले में भी बेहद भाग्यशाली माने जाते हैं। आइए जानते हैं वे कौन-से दो मूलांक हैं, जिनसे जुड़े लोग कम उम्र में ही आर्थिक रूप से मजबूत बन जाते हैं।

मूलांक 1: नेतृत्व और सफलता का प्रतीक– जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 1, 10, 19 या 28 तारीख को होता है, उनका मूलांक 1 माना जाता है। इस मूलांक का स्वामी सूर्य देव हैं। सूर्य के प्रभाव के कारण मूलांक 1 वाले लोग आत्मविश्वास से भरपूर, साहसी और नेतृत्व क्षमता से युक्त होते हैं। ये लोग मेहनत और आत्मबल के दम पर जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं। मूलांक 1 वाले नौकरी के साथ-साथ बिजनेस और निवेश में भी सफल रहते हैं। इन्हें अपने फैसलों पर भरोसा होता है और ये किसी के अधीन काम करना पसंद नहीं करते। यही कारण है कि ये लोग अक्सर 25-26 साल की उम्र तक अपना करियर मजबूत कर लेते हैं और धनवान बन जाते हैं। कुबेर देव की कृपा से इनके जीवन में धन की कमी बहुत कम देखने को मिलती है।

मूलांक 5: बुद्धि और व्यापार में माहिर– जिन लोगों की जन्मतिथि 5, 15 या 23 होती है, उनका मूलांक 5 होता है। इस मूलांक का स्वामी बुध ग्रह है, जिसे बुद्धि और व्यापार का देवता माना जाता है। मूलांक 5 वाले लोग तेज दिमाग के होते हैं और नए-नए आइडियाज पर काम करना इन्हें पसंद होता है।

ये लोग नौकरी से ज्यादा बिजनेस, सेल्स, मार्केटिंग और शेयर बाजार में सफलता प्राप्त करते हैं। जोखिम लेने से ये डरते नहीं और पैसे से पैसा बनाना इन्हें बखूबी आता है। कुबेर देव की विशेष कृपा के कारण मूलांक 5 वाले लोग कम उम्र में ही अच्छा धन-संचय कर लेते हैं।

सपने में सूर्य और चंद्रग्रहण दिखने का क्या होता है मतलब? जानिए स्वप्नशास्त्र के संकेत

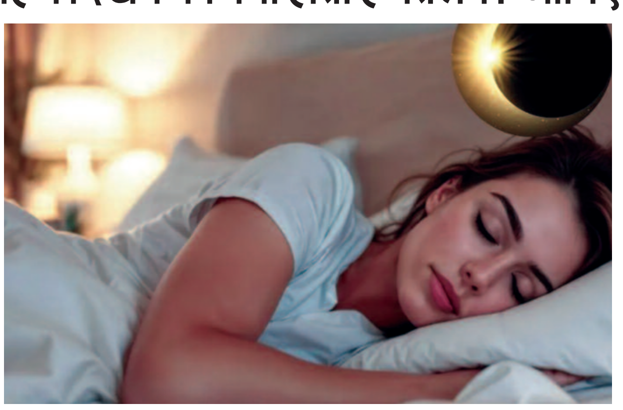

यूनिक समय, मथुरा। सपनों की दुनिया रहस्यमयी होती है और इनमें दिखाई देने वाली हर घटना का कोई न कोई संकेत स्वप्नशास्त्र में बताया गया है। सूर्य और चंद्र ग्रहण भले ही खगोलीय घटनाएं हों, लेकिन अगर ये सपने में दिखाई दें तो इन्हें सामान्य नहीं माना जाता। स्वप्नशास्त्र के अनुसार ऐसे सपने जीवन में आने वाले बदलाव, मानसिक स्थिति और भविष्य की चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं।

अगर सपने में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई दे, तो यह जीवन में बड़े परिवर्तन का संकेत माना जाता है। किसी रिश्ते में दूरी आ सकती है या उसका अंत भी हो सकता है। वहीं आंशिक सूर्य ग्रहण देखने का अर्थ है कि जीवन में समस्याएं आएंगी, लेकिन उनका समाधान भी मिलेगा। यदि सूर्य ग्रहण के साथ चारों ओर अंधकार दिखाई दे, तो यह धन हानि का संकेत हो सकता है। वहीं अगर ग्रहण के बाद सूर्य फिर से चमकता हुआ नजर आए, तो यह परेशानियों के अंत और नए अवसरों की शुरुआत का शुभ संकेत माना जाता है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सूर्य ग्रहण का सपना आत्मिक परिवर्तन और नई शुरुआत का प्रतीक है। सूर्य ग्रहण के सपने के बाद करें ये उपाय, तांबे के पात्र में सूर्य को जल अर्पित करें, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें, सूर्य मंत्रों का जप करें, गुड़, अनाज या वस्त्र का दान करें, सपने में चंद्रग्रहण देखने का अर्थ, सपने में पूर्ण चंद्रग्रहण दिखना मानसिक तनाव, उदासी और भावनात्मक असंतुलन का संकेत देता है। यह सपना धन, मान–सम्मान और करियर से जुड़ी परेशानियों की ओर भी इशारा करता है। अगर सपने में चंद्रग्रहण हटता हुआ दिखाई दे, तो यह शुभ संकेत माना जाता है और बताता है कि मुश्किलों का समाधान निकलेगा। चंद्रग्रहण के सपने के बाद करें ये उपाय- चंद्र मंत्र 'ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः' का जप करें, दूध, दही और सफेद वस्त्र का दान करें, भगवान शिव की पूजा करें और शिवलिंग पर जल अर्पित करें, चंद्रमा को जल का अर्घ्य दें।

नए साल का व्रत—त्योहार कैलेंडर

- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: कल का दिन वैवाहिक जीवन जी रहे लोगों के लिए सुखद रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

वृषभ राशि: आपका मन दान–पुण्य और धर्म–कर्म के कार्यों में अधिक लगेगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करके आपको आत्मिक संतोष की अनुभूति होगी।

मिथुन राशि: दिन भाग्य की दृष्टि से आपके लिए अनुकूल संकेत दे रहा है। धर्म और आध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी और मन को शांति मिलेगी।

कर्क राशि: आपके सुख–साधनों में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अनुभवी और समझदार लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे काम करने में न केवल आसानी होगी बल्कि मन भी लगा रहेगा।

सिंह राशि: कल का दिन आपको अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखने की सीख दे रहा है। कुछ लोग आपकी सफलता से जलन महसूस कर सकते हैं और आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना आवश्यक है।

कन्या राशि: कल का दिन आय में वृद्धि के संकेत लेकर आया है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खुशखबरी मिल सकती है, जिससे घर में उत्साह का माहौल बनेगा।

तुला राशि: आपके अधिकांश काम समय पर पूरे होंगे, जिससे मन में संतोष और खुशी बनी रहेगी। व्यापार में यदि कोई डील लंबे समय से अटकी हुई थी, तो उसके फाइनल होने की संभावना है।

वृश्चिक राशि: आपको अपने कामों को टालने की आदत से बचना होगा, क्योंकि देर करने से नुकसान हो सकता है। करियर से जुड़ी जो परेशानियां चल रही थीं, वे अब धीरे–धीरे दूर होती नजर आएंगी

मकर राशि: कल का दिन सुख और शांति से भरा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां दूर होंगी और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक मामलों को आपसी बातचीत से सुलझा लिया जाएगा।

धनु राशि: कल का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन यह व्यस्तता आपके लिए फायदेमंद सिद्ध होगी। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी, जो आगे चलकर आपके काम आ सकते हैं। आप अपनी समझदारी से करियर में नई नींव रखेंगे। हालांकि, काम की धीमी गति आपको परेशान कर सकती है, इसलिए जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया न दें।

कुंभ राशि: कल का दिन लाभदायक सिद्ध होगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से आपकी मुलाकात होगी और काम को लेकर आप नई कोशिशें भी करेंगे। आपकी मेहनत का फल आपको अवश्य मिलेगा।

मीन राशि: कल का दिन आय के मामले में बेहद अच्छा रहने वाला है। एक के बाद एक खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़ा कोई पुराना मामला भी समाप्ति की ओर बढ़ सकता है।

अर्जुन ने बचाई थी दुर्योधन की जान, उसी वचन से बच गई पांडवों की पूरी सेना

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत केवल युद्ध की कथा नहीं है, बल्कि यह धर्म, वचन, मित्रता और कर्म के गहरे सिद्धांतों को भी दर्शाता है। ऐसा ही एक रोचक और कम चर्चित प्रसंग है, जिसमें अर्जुन द्वारा दुर्योधन की जान बचाने का फल आगे चलकर कुरुक्षेत्र के युद्ध में सभी पांडवों की रक्षा का कारण बनता है।

वनवास के दौरान पांडव द्वैतवन में निवास कर रहे थे। उसी समय दुर्योधन उस क्षेत्र में घोषयात्रा निकालना चाहता था। धृतराष्ट्र ने पहले मना किया, लेकिन शकुनि ने यह कहकर उन्हें मना लिया कि वे केवल गायों की गणना करने जा रहे हैं और पांडवों से उनका कोई संपर्क नहीं होगा। इस तरह दुर्योधन, शकुनि, कर्ण और कौरव सेना द्वैतवन पहुंच गई। घोषयात्रा के दौरान दुर्योधन एक सरोवर के पास पहुंचा, जहां गंधर्वराज चित्रसेन अपने साथियों के साथ जलक्रीड़ा कर रहे थे। दुर्योधन ने वहीं क्रीड़ाभवन बनवाने का आदेश दिया, लेकिन गंधर्वों ने मना कर दिया। बात बढ़ी और अंततः युद्ध छिड़ गया।

गंधर्वराज चित्रसेन ने अपनी मायावी शक्ति से कौरव सेना को परास्त कर दिया। कर्ण का रथ टूट गया, सेना भाग खड़ी हुई और दुर्योधन व दुशासन को गंधर्वों ने बंदी बना लिया। कौरवों की सेना भयभीत होकर पांडवों की शरण में पहुंची और युधिष्ठिर से सहायता की गुहार लगाई। युधिष्ठिर के समझाने पर भी गंधर्व नहीं माने। तब अर्जुन ने दिव्यास्त्र का संधान किया। अर्जुन का तेज देखकर चित्रसेन घबरा गया और उसने स्वयं को अर्जुन का मित्र बताया। यह सुनकर अर्जुन ने अस्त्र वापस ले लिया। गंधर्वों ने दुर्योधन और दुशासन को युधिष्ठिर के सुपुर्द कर दिया। युधिष्ठिर और पांडवों ने उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया। इस घटना से दुर्योधन अत्यंत लज्जित हुआ और कृतज्ञता भाव से अर्जुन से कहा–

"तुमने मेरी जान बचाई है, इसके बदले में जब भी कुछ मांगोगे, मैं अवश्य दूंगा।" अर्जुन ने उस समय कुछ नहीं मांगा, लेकिन दुर्योधन ने अपना वचन दे दिया। यही वचन आगे चलकर इतिहास बदलने वाला सिद्ध हुआ। कुरुक्षेत्र युद्ध के दौरान एक रात दुर्योधन ने भीष्म पितामह पर पक्षपात का आरोप लगाया। इससे क्रोधित होकर भीष्म ने प्रतिज्ञा की कि वे अगले दिन एक ही दिन में पांचों पांडवों का वध कर देंगे। उन्होंने अपनी मंत्रशक्ति से पांच स्वर्णिम, अजेय तीर तैयार किए। दुर्योधन को विश्वास तो हुआ, लेकिन मन में शंका भी थी। इसलिए उसने भीष्म से अनुरोध किया कि वे तीर उसे सौंप दें और युद्ध के समय ही वापस लें। भीष्म ने उसकी बात मान ली। उधर यह समाचार पांडव शिविर तक पहुंच गया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को वह पुराना प्रसंग याद दिलाया, जब उसने दुर्योधन की जान बचाई थी। श्रीकृष्ण ने कहा- "अभी वही समय है जब तुम अपना वरदान मांग सकते हो।" अर्जुन दुर्योधन के शिविर पहुंचा और उससे वचन की याद दिलाई। दुर्योधन ने क्षत्रिय धर्म निभाते हुए वचन स्वीकार किया। अर्जुन ने उससे वे पांच स्वर्णिम तीर मांग लिए। दुर्योधन भारी मन से भीष्म के दिए हुए पांचों तीर अर्जुन को सौंप देता है। अगले दिन जब भीष्म युद्धभूमि में आते हैं, उन्हें ज्ञात होता है कि तीर अब उनके पास नहीं हैं। इस प्रकार पांडवों की जान बच जाती है। यह प्रसंग दर्शाता है कि महाभारत में केवल शास्त्र नहीं, बल्कि वचन, धर्म और कर्म की शक्ति सबसे बड़ी थी। अर्जुन का धर्मपालन और दुर्योधन का दिया हुआ वचन-दोनों ने मिलकर इतिहास की धारा बदल दी।

सम्पादकीय

आरक्षण का लाभ उसी को मिले जो वास्तव में जरूरतमंद हो

देश में आरक्षण व्यवस्था को लेकर समय-समय पर बहस होती रही है, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई के एक बयान ने इस चर्चा को फिर से केंद्र में ला दिया है। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन भी जस्टिस गवई ने आरक्षण से जुड़े एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया कि रिजर्वेशन का लाभ उसी को मिलना चाहिए, जो वास्तव में जरूरतमंद हो। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससीएसटी) में भी क्रीमीलेयर लागू करने की जरूरत पर जोर दिया।

आरक्षण का मूल उद्देश्य क्या है? चीफ जस्टिस बीआर गवई ने साफ शब्दों में कहा कि आरक्षण का मकसद किसी वर्ग

पवन गौतम

को स्थायी विशेषाधिकार देना नहीं है। इसका उद्देश्य है– सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना, ऐतिहासिक रूप से वंचित और पिछड़े समुदायों को समान अवसर देना, उन्हें मुख्यधारा में लाने में मदद करना, लेकिन जब किसी वर्ग के भीतर कुछ लोग सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से आगे बढ़ जाते हैं, तब भी यदि वही लोग बार-बार आरक्षण का लाभ लेते रहें, तो यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है।

एससीएसटी में क्रीमीलेयर की जरूरत क्यों? अब तक क्रीमीलेयर की व्यवस्था अन्य पिछड़ा वर्ग (आबीसी) में लागू है, लेकिन एससीएसटी में नहीं। जस्टिस गवई का मानना है कि एससीएसटी वर्ग के भीतर भी एक ऐसा तबका बन चुका है, जो पहले ही आगे बढ़ चुका है, यह तबका आरक्षण के अधिकांश लाभ अपने तक सीमित कर लेता है, नतीजतन, उसी वर्ग के सबसे कमजोर और वंचित लोग पीछे रह जाते हैं, ऐसे में क्रीमीलेयर लागू करना जरूरी है, ताकि आरक्षण का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे। क्रीमीलेयर का कॉन्सेप्ट नया नहीं, क्रीमीलेयर की अवधारणा कोई नई नहीं है। 1969 में तमिलनाडु सरकार ने सत्तनाथन आयोग का गठन किया, जिसने पहली बार पिछड़े वर्गों में क्रीमीलेयर की बात रखी, 1986 में कर्नाटक से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरक्षण का लाभ तय करने के लिए आर्थिक आधार की जांच जरूरी है, यानी दशकों से यह माना जाता रहा है कि सभी पिछड़े लोग समान रूप से पिछड़े नहीं होते। आबीसी में पहले से लागू है क्रीमीलेयर, आरक्षण से जुड़े मामलों में इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ का फैसला ऐतिहासिक माना जाता है।

इसी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आबीसी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने का आदेश दिया। साथ ही आरक्षण की अधिकतम सीमा 50% तय की गई, इसके बाद केंद्र सरकार ने क्रीमीलेयर की परिभाषा तय करने के लिए आयोग का गठन किया। जब एक वर्ग में यह व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू हो सकती है, तो एससीएसटी में इसे लागू करने में सैद्धांतिक तौर पर कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।

नजरिया

सुनेत्रा पवार की ताजपोशी : क्या सिर्फ संवेदनशीलता का मामला?

– उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र की राजनीति हमेशा से देश की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती रही है। हालिया घटनाक्रम में जब सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तो यह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रही, बल्कि इसके दूरगामी राजनीतिक निहितार्थ सामने आए। निजी शोक, पारिवारिक पीड़ा और सामाजिक अपेक्षाओं के बीच लिया गया यह फैसला राजनीति की उसी कठोर सच्चाई को उजागर करता है, जहां भावनाओं से ज्यादा परिस्थितियां निर्णायक होती हैं। राजनीति भावनाओं से नहीं, हालात से चलती है, राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि यहां निजी दुख और सार्वजनिक जिम्मेदारी के बीच कोई लंबा अंतराल नहीं होता। सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसी कथन का जीवंत उदाहरण है। पति अजित पवार के निधन के बाद जब उनका शोक काल अभी पूरा भी नहीं हुआ था, तब उन्होंने सत्ता की जिम्मेदारी स्वीकार की। इस फैसले को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि भारतीय समाज राजनीतिक व्यक्तियों से भी पारिवारिक और सामाजिक परंपराओं के पालन की अपेक्षा रखता है। लेकिन राजनीति सामाजिक नैतिकता के फ्रेम में नहीं, बल्कि सत्ता-संतुलन और रणनीति के फ्रेम में चलती है। यही कारण है कि व्यक्तिगत पीड़ा के बावजूद सुनेत्रा ने सत्ता का दायित्व स्वीकार किया। सुनेत्रा पवार की ताजपोशीः क्या सिर्फ संवेदनशीलता का मामला? सुनेत्रा पवार का उपमुख्यमंत्री बनना सिर्फ एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र की राजनीति के भीतर चल रही गहरी उथल-पुथल का संकेत भी है। सवाल उठता है कि- क्या यह फैसला सिर्फ पारिवारिक मजबूरी था?

या इसके पीछे एक सोची–समझी राजनीतिक रणनीति थी? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए एनसीपी की अंदरूनी राजनीति और शरद पवार की भूमिका को समझना जरूरी है। शरद पवारः हार के बावजूद सबसे बड़े खिलाड़ी भले ही पिछले विधानसभा चुनाव में शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी पकड़ अब भी बरकरार है। उन्हें यूं ही महाराष्ट्र का 'चाणक्य' नहीं कहा जाता। यह कोई रहस्य नहीं है कि- एनसीपी के दोनों धड़ों के बीच विलय की बातचीत चल रही थी, शरद पवार ने खुद स्वीकार किया कि जयंत पाटिल, अजित पवार से बातचीत कर रहे थे, यहां तक कहा गया

कि 12 फरवरी को दोनों पक्षों में सहमति भी बन गई थी, लेकिन अजित पवार के निधन ने पूरी सियासी शतरंज पलट दी। अजित पवार के बाद बदले समीकरण, अजित पवार केवल एक नेता नहीं थे, बल्कि एनसीपी के दूसरे धड़े की धुरी थे। उनके निधन के बाद-पार्टी के कई बड़े नेता असमंजस में आ गए,

प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और आरआर पाटिल जैसे नेताओं की चिंताएं बढ़ गईं, इन नेताओं को डर था कि अगर दोनों एनसीपी का विलय हुआ, तो– शरद पवार का पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा, सुप्रिया सुले का प्रभाव मजबूत होगा, और उनके लिए राजनीतिक स्पेस सिमट जाएगा, सुप्रिया सुले का उभार और नेताओं की आशंका, प्रफुल्ल पटेल कभी शरद पवार के बेहद करीबी रहे हैं, लेकिन अजित पवार के साथ जाकर उन्होंने एक तरह से शरद पवार से दूरी बना ली। ऐसे में उन्हें सबसे ज्यादा डर था कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ मजबूत होने से सुप्रिया सुले का 'चाबुक' उन पर चल सकता है। इन नेताओं के लिए बेहतर विकल्प यही था कि पार्टी अलग बनी रहे, नेतृत्व सुनेत्रा पवार के हाथ में हो, ताकि उनका राजनीतिक अस्तित्व सुरक्षित रह सके, सुनेत्रा को आगे लाने की जल्दबाजी क्यों?

अजित पवार के निधन के बाद आधिकारिक शोक अवधि खत्म होते ही– विधायक दल की बैठक बुलाई गई, सुनेत्रा पवार को नेता चुना गया और तत्काल शपथ ग्रहण की तैयारी कर ली गई, यह तेजी अपने आप में सवाल खड़े करती है। शरद पवार भले ही इस पूरी सियासी पटकथा का लेखक प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को मानते हों, लेकिन राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि इस पूरी स्क्रिप्ट के पीछे असली दिमाग बीजेपी का था।

बीजेपी की रणनीतिः खतरे को जड़ से खत्म करना सवाल उठता है कि जब बीजेपी के पास पहले से बहुमत था, तो उसे इतनी जल्दबाजी क्यों थी? संख्याबल के लिहाज से– बीजेपी के पास 132 विधायक, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 57 विधायक, बहुमत के लिए चाहिए 145 सीटें, यानी सरकार को कोई तत्काल खतरा नहीं था, लेकिन बीजेपी की चिंता संख्या नहीं, भविष्य की राजनीति थी। बीजेपी को शरद पवार से क्यों डर लगता है? अगर एनसीपी का विलय होता– शरद पवार फिर से ताकतवर होकर उभरते, विपक्ष को एक मजबूत नेतृत्व मिलता, शिवसेना के दोनों गुटों को भी एक करने की कोशिश हो सकती थी, भले ही यह कल्पना लगे, लेकिन शरद पवार की राजनीतिक क्षमता को देखते हुए बीजेपी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकती थी। जिला परिषद चुनाव और कांग्रेस की चूक, इस समय महाराष्ट्र में जिला परिषद चुनाव चल रहे हैं। यह ऐसा मौका था जब– कांग्रेस विपक्ष की भूमिका मजबूत कर सकती थी, अजित पवार के न रहने से बने शून्य को भर सकती थी, लेकिन कांग्रेस न तो स्थानीय स्तर पर नेतृत्व खड़ा कर पाई, न ही एनसीपी के असंतुष्ट नेताओं को अपने पाले में ला सकी। 2014 के बाद से कांग्रेस जिस तरह से– राष्ट्रीय नैरेटिव पर फोकस कर रही है, स्थानीय जरूरतों की अनदेखी कर रही है, उसका खामियाजा उसे महाराष्ट्र में भी भुगतना पड़ रहा है। बीजेपी का मास्टरस्ट्रोकः एक तीर, कई निशाने, रणनीतिक रूप से देखें तो– सुनेत्रा पवार को साथ लाकर बीजेपी ने एनसीपी की चिंता खत्म कर दी, शरद पवार को फिर से हाशिए पर डाल दिया, संभावित राजनीतिक खतरे को समय रहते कुचल दिया,- यह बीजेपी की सियासी सूझबूझ का उदाहरण है। मुंबई, सत्ता और अर्थव्यवस्था का गठजोड़, महाराष्ट्र सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आर्थिक राजधानी का केंद्र, कॉरपोरेट और औद्योगिक ताकतों का गढ़, माना जाता है कि महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़, देश की आर्थिक नब्ज पर पकड़ जैसी होती है। मौजूदा दौर में राजनीति और अर्थव्यवस्था एक–दूसरे से अलग नहीं हैं। बीजेपी किसी भी कीमत पर महाराष्ट्र की सत्ता कमजोर नहीं होने देना चाहती और शरद पवार जैसे अनुभवी रणनीतिकार को खुला मैदान नहीं देना चाहती, शिंदे, सुनेत्रा और संतुलन की राजनीति, सुनेत्रा पवार के महायुति में शामिल होने से एकनाथ शिंदे के पास दबाव बनाने की गुंजाइश कम हो जाती है, महायुति से बाहर निकलने का विकल्प लगभग खत्म हो जाता है, बीजेपी इस संतुलन को बखूबी साध रही है, सुनेत्रा के जरिए शिंदे को नियंत्रित किया जाएगा, और शिंदे के जरिए सुनेत्रा को संतुलित रखा जाएगौ।

विचार विण्डो

घाटे वाले विदेश व्यापार से मुनाफे तक: भारत की चुनौती और संभावनाएँ

– कमलेश पाण्डेय

भारत का विदेश व्यापार इस समय गंभीर चुनौती के दौर से गुजर रहा है। दिसंबर 2025 में देश का व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो आने वाले वर्षों के लिए चेतावनी संकेत है। अनुमान है कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहे तो 2027 तक यह घाटा 32 अरब डॉलर के स्तर को भी छू सकता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी भारत के लिए चिंता का विषय है।

भारत का व्यापार घाटा मुख्य रूप से उन देशों के साथ है, जहां से आयात अत्यधिक और निर्यात सीमित है। इनमें प्रमुख हैं– चीनः इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, एपीआई और केमिकल्स के भारी आयात के कारण 2025 तक घाटा 116 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। रूसः कच्चे तेल और रक्षा उपकरणों के कारण लगभग 57 अरब डॉलर का घाटा। यूएई और सऊदी अरबः तेल और सोने के आयात से घाटा। स्विट्जरलैंड और इराकः सोना, घड़ियां और कच्चा तेल मुख्य कारण। इन देशों के साथ व्यापार घाटा भारत की ऊर्जा निर्भरता और विनिर्माण इनपुट्स की कमजोरी को उजागर करता है। भारत की राजनीति पर 'वैचारिक अकाल' का आरोप लगाया जाता रहा है। इसका असर विदेश व्यापार नीति पर भी साफ दिखता है। चीन जैसे पड़ोसी और रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी को भारी व्यापार लाभ देने के बावजूद भारत उसे संतुलित करने में असफल रहा है। वहीं, रूस जैसे मित्र देश के साथ बढ़ती निर्भरता भी आर्थिक स्वायत्तता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। मुक्त व्यापार समझौते (फटीए) वाले देशों के साथ स्थिति और चिंताजनक है। एफवाई 2026 की पहली तिमाही में एफटीए देशों के साथ व्यापार घाटा 59% बढ़कर 26.6 अरब डॉलर हो गया। निर्यात में 9% की गिरावट, आयात में 10% की

बढ़ोतरी, खासकर आसियान देशों, दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ घाटा बढ़ा है। 'लुक ईस्ट नीति' अपेक्षित लाभ नहीं दे सकी और एफटीए के पुनर्समझौते में देरी ने समस्या और बढ़ा दी। घाटे के संरचनात्मक कारण, भारत के व्यापार घाटे के प्रमुख कारण हैं- ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता (80% से अधिक तेल आयात), इलेक्ट्रॉनिक्स और हाई–टेक मैन्युफैक्चरिंग में घरेलू कमजोरी, उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, वैश्विक टैरिफ और गैर-शुल्क बाधाएं, सीमित निर्यात विविधीकरण, जब तक इन मूलभूत समस्याओं पर काम नहीं होता, तब तक घाटा कम करना कठिन रहेगा। सरकार की रणनीति और सुधार प्रयास, हाल के वर्षों में सरकार ने घाटा कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं– 1. निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम), 2025–31 तक 25,060 करोड़ रुपये की यह योजना टरटए और श्रम–प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देती है। 2. क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई), 20,000 करोड़ रुपये तक की 100% सरकारी गारंटी, जिससे टरटए को बिना संपार्श्विक ऋण मिलता है।

3. योजना, निर्यात पर लगने वाले अप्रत्यक्ष करों की भरपाई। 4. इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और ऑटो सेक्टर में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन। 5. पीएम गति शक्ति और लॉजिस्टिक्स सुधार, लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर फोकस। जहां भारत को मुनाफा हो रहा है, नकारात्मक तस्वीर के बीच सकारात्मक पहलू भी हैं। भारत को 151 देशों के साथ व्यापार सरप्लस प्राप्त है। अमेरिकाः लगभग 21 अरब डॉलर का सरप्लस, नीदरलैंडः 11.6 अरब डॉलर, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों से भी लाभ, इन देशों को भारत फार्मास्यूटिकल्स, आईटी सेवाएं, रत्न–आभूषण, वस्त्र और इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता है। भविष्य की दिशाः घाटे से अधिशेष की ओर, विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निर्यात विविधीकरण, वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) में एकीकरण और अवसंरचना सुधारों को गंभीरता से लागू किया गया, तो मध्यम अवधि में चालू खाता घाटा (सीएडी) को जीडीपी के 1–2% के भीतर स्थिर किया जा सकता है। हालांकि, पूर्ण व्यापार अधिशेष के लिए अभी कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं है। स्पष्ट है कि भारत का विदेश व्यापार घाटा केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है। सरकार की योजनाएं सही दिशा में हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दिखेगा जब नीति–निर्माण में दीर्घकालिक दृष्टि, कूटनीतिक संतुलन और घरेलू उत्पादन क्षमता को समान महत्व दिया जाए। यदि यह संतुलन साध लिया गया, तो भारत न केवल घाटे से बाहर निकलेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार में एक मजबूत मुनाफे वाला खिलाड़ी भी बन सकता है।

वैभव सूर्यवंशी का ऐतिहासिक शतक

अंडर–19 वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ रचा नया कीर्तिमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को एक और उभरता हुआ सुपरस्टार मिल गया है। महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर–19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में वैभव ने विस्फोटक शतक जड़ते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए और भारत की मजबूत स्थिति की नींव रखी।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए फाइनल में भारतीय कप्तान आयुष ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहला विकेट जल्दी गिर गया, लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने पारी को संभाल लिया। शुरुआत में संयम दिखाने के बाद जैसे ही उन्होंने गियर बदला, इंग्लैंड के गेंदबाज और फील्डर पूरी तरह बेबस नजर आए।

वैभव ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और चौकों–छक्कों की झड़ी लगा दी। उन्होंने अपने अर्धशतक के बाद बेहद आक्रामक रुख अपनाया और तेजी से शतक की ओर बढ़ते चले गए। वैभव ने इस मुकाबले में आठ चौके और आठ छक्के लगाए, जिससे दर्शकों के साथ–साथ क्रिकेट विशेषज्ञ भी उनकी बल्लेबाजी के कायल हो गए।

इस शतक के साथ वैभव सूर्यवंशी अंडर–19 वर्ल्ड कप फाइनल में सेंचुरी लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए हैं। मैच के दिन उनकी उम्र 14 साल और 316 दिन थी। इससे पहले इतनी कम उम्र में कोई भी बल्लेबाज वर्ल्ड कप फाइनल में शतक नहीं लगा सका था। यह रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण बन गया है।

इतना ही नहीं, वैभव ने अंडर–19 वर्ल्ड कप फाइनल में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 55 गेंदों में सेंचुरी पूरी की, जो फाइनल मुकाबलों में अब तक का सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2022 में राज बावा के नाम था, जिन्होंने 69 गेंदों में शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी का यह प्रदर्शन साफ संकेत देता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इतनी कम उम्र में दबाव भरे फाइनल मुकाबले में रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बड़े सितारे बन सकते हैं।

नहीं थम रहीं थलापति विजय की मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और राजनीति में कदम रख चुके थलापति विजय को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने इनकम टैक्स विभाग द्वारा लगाए गए 1.5 करोड़ रुपये के जुर्माने को चुनौती देने वाली विजय की याचिका खारिज कर दी है। यह जुर्माना वित्तीय वर्ष 2015–16 में कथित रूप से 15 करोड़ रुपये की अघोषित आय से जुड़े मामले में लगाया गया था।

सिंगल जज जस्टिस सेंथिलकुमार राममूर्ति ने 23 जनवरी 2026 को फैसला सुरक्षित रखने के बाद शुक्रवार को निर्णय सुनाया। कोर्ट ने कहा कि इनकम टैक्स एक्ट की धारा 263 के तहत जारी किया गया शो कॉज नोटिस तय समय सीमा के भीतर था और नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में कोई खामी नहीं पाई गई। इसी आधार पर अदालत ने अन्य बिंदुओं पर विचार करने से इनकार कर दिया। हालांकि, हाईकोर्ट ने विजय को राहत देते हुए यह स्पष्ट किया

कि वह लिमिटेशन के मुद्दे को छोड़कर अन्य कानूनी आधारों पर इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) के समक्ष चुनौती दे सकते हैं। मामले की शुरुआत सितंबर 2015 में विजय के घर पर पड़े आयकर छापे से हुई थी। इसके बाद दिसंबर 2017 में असेसमेंट ऑर्डर पारित हुआ और दिसंबर 2018 में पेनल्टी की प्रक्रिया शुरू की गई। बाद में विभाग ने धारा 263 के तहत सुधार नोटिस जारी किया, जिसे आईटीएटी ने 2022 में रद्द कर दिया था।

मेरे नाम पर क्लिकबेट मेरी फिल्मों से ज्यादा पॉपुलर हैं

एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर बोले अनुराग कश्यप

यूनिक समय, नई दिल्ली । यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी एपस्टीन फाइल्स एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन दस्तावेजों में कई प्रभावशाली और चर्चित हस्तियों के नाम सामने आने के बाद हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में फिल्म निर्माता और निर्देशक अनुराग कश्यप का नाम सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। अब अनुराग कश्यप ने इन दावों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्पष्ट शब्दों में सफाई दी है।

ऑनलाइन वायरल हो रहे एक ईमेल में अनुराग कश्यप को एक मशहूर बॉलीवुड डायरेक्टर बताते हुए दावा किया गया कि उन्होंने वर्ष 2017 में बीजिंग में आयोजित एक एपस्टीन इवेंट में शामिल होने की सहमति दी थी। इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा कि उन्हें इस तरह के किसी भी ईमेल या आयोजन की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें हर महीने कई स्पीकर इनविटेशन मिलते हैं, जिनका वे अक्सर जवाब तक नहीं देते।

कश्यप ने साफ तौर पर कहा कि वे अपनी जिंदगी में कभी बीजिंग नहीं गए और उनके नाम का इस्तेमाल केवल सनसनी फैलाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने वायरल दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये सामग्री खुद ही अपनी सच्चाई बयां कर देती है। अनुराग ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा, 'मेरे नाम पर क्लिकबेट मेरी फिल्मों से ज्यादा पॉपुलर हैं।'

गौरतलब है कि अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में एपस्टीन से जुड़े लाखों अतिरिक्त रिकॉर्ड सार्वजनिक किए हैं। इनमें दस्तावेज, तस्वीरें, इंटरव्यू नोट्स, फोन लॉग और कोर्ट से जुड़े कागजात शामिल हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, यह खुलासा एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत किया गया है, जिसके बाद सरकार को इन फाइलों को सार्वजनिक करना पड़ा।

इन दस्तावेजों के सामने आने के बाद दुनिया भर में कई नामों को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी नाम का दस्तावेजों में होना दोष सिद्ध होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता। ऐसे में अनुराग कश्यप समेत अन्य हस्तियों के नाम सामने आने के बाद सच्चाई और अफवाह के बीच फर्क करना जरूरी हो गया है।

'घूसखोर पंडित' के नाम पर बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनोज बाजपेयी स्टारर वेब सीरीज 'घूसखोर पंडित' का टीजर सामने आते ही विवादों में घिर गया। नेटफ्लिक्स के 'नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स 2026' इवेंट में इसका फर्स्ट लुक जारी होने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। सीरीज के टाइटल को लेकर धार्मिक और जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगे, जिसके बाद मामला कानूनी दायरे में पहुंच गया।

एफआईआर और नोटिस के बाद हटाया गया टीजर

विवाद बढ़ने पर उत्तर प्रदेश के लखनऊ में मेकर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोप है कि टाइटल और कंटेंट से सार्वजनिक सद्भाव बिगड़ सकता है। इसके अलावा फिल्म एंड मीडिया कमिशन (एफएमसी) ने भी मेकर्स और नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजा। दिल्ली हाई कोर्ट में सीरीज की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका भी दायर की गई।

बढ़ते दबाव के बीच मेकर्स ने 'घूसखोर पंडित' का टीजर यूट्यूब से हटा लिया। हालांकि वीडियो डिलीट होने के बावजूद सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कई यूजर्स इसे खोजकर देख रहे हैं और पपराजी पेजों के जरिए यह टीजर इंस्टाग्राम पर भी साझा किया गया।

पूरा विवाद सीरीज के टाइटल में इस्तेमाल किए गए 'पंडित' शब्द को लेकर है। आपत्ति जताने वालों का कहना है कि 'घूसखोर' शब्द के साथ 'पंडित' जोड़ना एक सम्मानित समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचाता है। वहीं मेकर्स का तर्क है कि यह एक काल्पनिक कहानी है और किसी समुदाय को निशाना बनाने का इरादा नहीं है। डायरेक्टर नीरज पांडे ने बयान जारी कर कहा कि दर्शकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए फिलहाल सभी प्रमोशनल सामग्री हटाई गई है और सीरीज को उसके पूरे संदर्भ में समझा जाना चाहिए। विवाद के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कंटेंट की जिम्मेदारी और रचनात्मक स्वतंत्रता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

बीमारी पर भारी पड़ा जज्बा

103 डिग्री बुखार में स्मृति मंधाना ने आरसीबी को दिलाया खिताब

यूनिक समय, नई दिल्ली। जज्बा, हिम्मत और कप्तानी की मिसाल अगर किसी ने पेश की तो वह हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना। बीमारी से जूझने के बावजूद मंधाना ने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के फाइनल में ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने क्रिकेट इतिहास में उनकी पारी को अमर कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए फाइनल में मंधाना ने सिर्फ 41 गेंदों में 87 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए आरसीबी को दूसरी बार चैंपियन बना दिया।

गुरुवार 5 फरवरी को खेले गए फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी के सामने 204 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। यह लक्ष्य न सिर्फ डब्ल्यूपीएल बल्कि डब्ल्यूपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों लीग के फाइनल मुकाबलों में अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज साबित हुआ। खराब शुरुआत के बावजूद मंधाना ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

मैच के बाद सामने आया कि फाइनल से एक दिन पहले स्मृति मंधाना 103 डिग्री बुखार से पीड़ित थीं। टीम के हेड कोच मलोलन रंगराजन ने ड्रेसिंग रूम में इसका खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मंधाना ने अपनी तबीयत किसी को बताए बिना खेलने का फैसला किया, ताकि टीम को फाइनल में निराश न होना पड़े। इस बात का पता चलते ही साथी खिलाड़ियों ने तालियां बजाकर अपनी कप्तान के साहस को सलाम किया।

यह खिताब मंधाना के लिए कई मायनों में खास रहा। कुछ महीने पहले ही उन्होंने भारत को महिला वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं निजी जीवन में उतार–चढ़ाव और आलोचनाओं के बीच यह पारी उनके आलोचकों को करारा जवाब भी थी। अक्सर बड़े मुकाबलों में असफल रहने के आरोप झेलने वाली मंधाना ने डब्ल्यूपीएल फाइनल की सबसे बड़ी पारी खेलकर इतिहास रच दिया।

इस सीजन में मंधाना ने 9 पारियों में 377 रन बनाकर ऑरेंज कैप भी अपने नाम की। बीमारी, दबाव और बड़े मंच–हर चुनौती पर भारी पड़ते हुए स्मृति मंधाना ने साबित कर दिया कि असली कप्तान वही होता है, जो मुश्किल हालात में भी टीम को जीत तक पहुंचाए।

मतदाता सूची के दावे-आपत्तियों की समय सीमा बढ़ी

अब 6 मार्च तक नाम जुड़वाने, कटवाने या संशोधन का आवेदन कर सकेंगे

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में दावा और आपत्ति दर्ज कराने की समय सीमा एक माह के लिए बढ़ा दी गई है। अब राज्य के मतदाता 6 मार्च तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटवाने या संशोधन के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह निर्णय बड़ी संख्या में प्राप्त हो रहे फॉर्म-6 को देखते हुए लिया गया है।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 6 फरवरी तक फॉर्म-6 की संख्या लगातार बढ़ रही थी। केवल 5 फरवरी को ही रिकॉर्ड 3 लाख 51 हजार 745 फॉर्म जमा हुए। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग से समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया था, जिसे मंजूरी मिल गई। राजनीतिक दलों की ओर से भी समय बढ़ाने की मांग की जा रही थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब 6 मार्च तक दावे-आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी, जबकि नोटिसों का निस्तारण 27 मार्च तक किया जाएगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) हर दिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक संबंधित पोलिंग स्टेशनों पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी अन्य व्यक्ति का नाम कटवाने के लिए संबंधित वोटर कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा और कारण भी बताना पड़ेगा। एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-7 स्वीकार नहीं किए जाएंगे, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकी जा सके। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं। अब तक करीब 3.26 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें से 2.37 करोड़ नोटिस जनरेट हो चुके हैं और 86.27 लाख नोटिस सर्व किए जा चुके हैं। लगभग 30.30 लाख मामलों में सुनवाई भी पूरी हो चुकी है। निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि नाम, पता, उम्र या अन्य विवरण में कोई त्रुटि है, तो तय समय सीमा के भीतर फॉर्म भरकर सुधार अवश्य कराएं, ताकि अंतिम मतदाता सूची में किसी तरह की परेशानी न हो।

कार-बाइक की टक्कर से दो की मौत, 10 वर्षीय मासूम गंभीर

यूनिक समय, वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्राम पंचायत बभनपुरा के सामने रिंग रोड पुल पर तेज रफ्तार इंडिका कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक 10 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों की पहचान ग्राम पंचायत कमौली निवासी रविंद्र कुमार मिश्रा (44) और ग्राम पंचायत सिंहवार निवासी श्रीनारायण यादव (60) के रूप में हुई है। दोनों आपस में दोस्त थे और सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद यूपी कॉलेज, वाराणसी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थे। गुरुवार को वे चंदौली जिले के सकलडीहा में एक सहकर्मी के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। बाइक पर श्रीनारायण यादव, उनका 10 वर्षीय पोता प्रियांशु यादव और रविंद्र कुमार मिश्रा सवार थे। रात करीब 9:30 बजे रिंग रोड की ढलान से नीचे उतरते समय वाराणसी की ओर से आ रही तेज रफ्तार इंडिका कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिर पड़े। रविंद्र कुमार मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि श्रीनारायण यादव और प्रियांशु गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां श्रीनारायण यादव को भी मृत घोषित कर दिया गया। घायल प्रियांशु का इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद कांड के बाद सख्त फैसला

प्राइमरी स्कूलों में मोबाइल और व्हाट्सएप होमवर्क पर रोक

यूनिक समय, लखनऊ। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या की हृदयविदारक घटना के बाद उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने बड़ा और सख्त कदम उठाया है। आयोग ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्राथमिक विद्यालयों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इसके साथ ही व्हाट्सएप के जरिए होमवर्क, असाइनमेंट और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां भेजने पर भी रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि कक्षा पांच तक के बच्चों में मोबाइल फोन की लत तेजी से बढ़ रही है, जो उनके मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा के नाम पर डिजिटल माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग बच्चों को गलत दिशा में ले जा रहा है। आयोग के अनुसार, वर्तमान में कई स्कूल बच्चों के होमवर्क और पढ़ाई से जुड़ी जानकारी अनिवार्य रूप से व्हाट्सएप ग्रुप या अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेज रहे हैं। इससे बच्चे कम उम्र में ही स्क्रीन पर निर्भर हो रहे हैं। इसी को देखते हुए मोबाइल आधारित शैक्षणिक गतिविधियों और ऑनलाइन कक्षाओं पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया गया है। महिला आयोग ने समाज और शिक्षा व्यवस्था से अपील की है कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए समय रहते ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। आयोग का मानना है कि गाजियाबाद जैसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए बच्चों को मोबाइल से दूर रखना और पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों को मजबूत करना बेहद जरूरी है।

आयोग ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

16 वर्षीय किशोर की हत्या, सरसों के खेत में मिला शव

यूनिक समय, एटा। जिले के निधौली कलां क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर धर्मेंद्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई। किशोर का खून से लथपथ शव बंबा किनारे सरसों के खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार, धर्मेंद्र रात में घर पर था और सुबह दौड़ लगाने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। बाद में ग्रामीणों ने खेत में उसका शव देखा, जिसकी गर्दन धारदार हथियार से काटी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम, सर्विलांस यूनिट और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल की गहन जांच की। आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और हर पहलू से मामले की पड़ताल की जा रही है। किशोर की हत्या से गांव में आक्रोश और भय का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित कारणों और संदिग्धों की जांच में जुटी हुई है।

जयपुर हाईवे पर भीषण हादसा: ट्रक ने बाइक को कुचला, दंपती समेत चार घायल

यूनिक समय, आगरा। शुक्रवार को जयपुर हाईवे पर मोड बाइपास चौराहे के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दंपती और उनके दो मासूम बच्चों को रौंद दिया। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार परिवार राजस्थान के बंसी पहाड़पुर का रहने वाला है। वे सीकरी मंडी से सब्जी खरीदकर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे मोड बाइपास चौराहे से मुड़ने लगे, भरतपुर की ओर से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सवार सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को आगरा रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक, दंपती में से दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों और हाईवे सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वोट कटने के आरोप पर हंगामा, एसडीएम की गाड़ी का घेराव

यूनिक समय, पीलीभीत। जिले के बीसलपुर में शुक्रवार को मतदाता सूची से नाम काटे जाने के आरोप को लेकर तहसील परिसर में जमकर हंगामा हुआ। मुस्लिम समुदाय के बड़ी संख्या में लोग सपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव दिव्या गंगवार के नेतृत्व में एसडीएम से मिलने पहुंचे। लोगों का आरोप था कि बिना किसी कारण उनके वोट काट दिए गए हैं, जिससे उनमें भारी आक्रोश था। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारी पहले परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पहुंचे, जहां एसडीएम नहीं मिले। इसके बाद वे तहसील कार्यालय पहुंचे। उसी दौरान एसडीएम नागेंद्र पांडेय एक जरूरी बैठक के लिए पीलीभीत जा रहे थे। जब उन्होंने बाद में मिलने की बात कही, तो आक्रोशित भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया, जिससे अफरातफरी मच गई। स्थिति को बिगड़ता देख एसडीएम गाड़ी से उतरकर लोगों के बीच पहुंचे और उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि किसी का वोट गलती से काटा गया है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाएगा। साथ ही गलत तरीके से नाम हटाने वाले बीएलओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी बात कही।

प्रयागराज: एफआईआर के विरोध में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

यूनिक समय, प्रयागराज। अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने से नाराज वकीलों ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाने में अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज होने के विरोध में बड़ी संख्या में वकील सिविल लाइंस स्थित पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए और सड़क जाम कर दी। इससे इलाके में आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं की मांग है कि सिविल लाइंस में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट करने वाले टायर कारोबारी को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और अधिवक्ताओं पर दर्ज मुकदमा वापस लिया जाए। वकीलों ने आईजी पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। धरने के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण रहा। पूरा मामला 2 फरवरी की रात का है। महेशगंज थाने में तैनात दरोगा शिवा प्रजापति के अनुसार, रात करीब 11:15 बजे हीरागंज बाजार के पास एक गेस्ट हाउस के निकट द्वारपूजा के लिए जा रही बारात और ट्रक चालक संजीव मौर्य के बीच मारपीट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों के सामने कुछ लोग खुद को अधिवक्ता बताने लगे, जिससे विवाद और बढ़ गया। दरोगा की तहरीर पर प्रयागराज के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। रात में हिरासत में लिए गए लोगों के समर्थन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता थाने पहुंच गए, जहां थानाध्यक्ष और अधिवक्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सीओ सदर के निर्देश पर ट्रक चालक से मारपीट और पुलिस से विवाद के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई।

आईजी कार्यालय के सामने सड़क जाम

सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

यूनिक समय, अलीगढ़। जिले में सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। खैर थाना क्षेत्र के गांव बझेड़ा निवासी सचिन पुत्र शिव सिंह की गुरुवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से जान चली गई। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, 5 फरवरी की शाम सचिन खैर से बाजार कर लौट रहे थे। खैर-अलीगढ़ रोड पर वह थ्री-व्हीलर से उतरकर सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में सचिन गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल सचिन को खैर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया कि सचिन की शादी सात वर्ष पहले राया तहसील के गांव हंसी निवासी सपना से हुई थी। उनके परिवार में माता-पिता, दो छोटे भाई और दो बेटियां छाया व राधिका हैं।

सार संक्षेप

हिट एंड रन केस में एक्टर मणियनपिल्ला राजू गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम में हिट एंड रन मामले में मलयालम फिल्म अभिनेता मणियनपिल्ला राजू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 5 फरवरी की रात करीब 9:30 बजे उनकी कार ने एक रॉयल एनफील्ड बाइक को टक्कर मार दी, जिससे 20 वर्षीय सूरज और निवेदित कृष्णा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राजू मौके से चले गए, लेकिन बाद में खुद पुलिस स्टेशन पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार चुनाव याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की जन सुराज को फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को कड़ी फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि चुनाव हारने के बाद अदालत का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता द्वारा नकारे जाने पर अदालत को राजनीतिक लोकप्रियता का मंच नहीं बनाया जा सकता और ऐसी याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

लियोनार्डो तूफान से स्पेन-पुर्तगाल में तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। लियोनार्डो तूफान ने स्पेन और पुर्तगाल के कई शहरों में भारी तबाही मचाई है। दक्षिणी अंडालूसिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण करीब 4,000 लोगों को घर खाली करने पड़े। कई सड़कें बंद कर दी गई हैं। पुर्तगाल में बाढ़ से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि स्पेन में एक लड़की लापता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश और नए तूफान का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में गड्ढे में गिरने से बैंक अधिकारी की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जनकपुरी में अंडर-कंस्ट्रक्शन सड़क पर गड्ढे में गिरने से एचडीएफसी बैंक के असिस्टेंट मैनेजर कमल की मौत हो गई। वह रात में ऑफिस से घर लौट रहे थे। देर रात तक न पहुंचने पर परिजन तलाश करते रहे, लेकिन पुलिस से मदद नहीं मिली। सुबह शव बाइक सहित गड्ढे में मिला। गड्ढा दिल्ली जल बोर्ड के काम के दौरान खोदा गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब पीते ही बिगड़ी तबीयत, भाजपा नेता समेत दो की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के खटीमा में शराब पीने के बाद बीजेपी नेता ढिल्लू सिंह राणा और अधिवक्ता मलकीत सिंह राणा की मौत हो गई। दोनों ने एक शादी समारोह से लौटते समय शराब पी थी। पहला पेग लेते ही तीनों की हालत बिगड़ गई। तीसरे व्यक्ति अधिवक्ता प्रवेश मौर्य की हालत गंभीर है और उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस को जहरीली शराब की आशंका है, मामले की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

महिला को गर्भ पूरा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक बेहद अहम और संवेदनशील फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि किसी भी महिला, विशेष रूप से नाबालिग लड़की को, उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भ पूरा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इसी के साथ कोर्ट ने 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति भी दी है।

यह मामला उस लड़की से जुड़ा था, जो गर्भ ठहरने के समय नाबालिग थी और मानसिक व सामाजिक दबाव में गर्भ को आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी। इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि सबसे पहले पीड़िता के अधिकार और उसकी इच्छा को देखना जरूरी है, न कि यह सवाल कि संबंध सहमति से थे या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मां बनने का फैसला पूरी तरह महिला की पसंद पर निर्भर करता है। अदालत किसी भी महिला को, खासकर नाबालिग को, जबरन मां बनने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। महिला की शारीरिक स्वायत्तता और मानसिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुंबई के जेजे अस्पताल में सभी आवश्यक चिकित्सकीय सावधानियों के साथ गर्भपात की प्रक्रिया पूरी की जाए। अदालत ने माना कि गर्भ की अवधि अधिक होने के बावजूद, पीड़िता की स्पष्ट इच्छा और परिस्थितियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यह फैसला अदालत के लिए भी आसान नहीं था। एक तरफ अजन्मे बच्चे का जीवन है और दूसरी ओर नाबालिग लड़की की स्पष्ट इच्छा। उन्होंने कहा कि जब कानून 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति देता है, तो केवल समय सीमा के आधार पर 30 सप्ताह पर रोक लगाना न्यायसंगत नहीं होगा।

ईरान छोड़ने की अमेरिकी चेतावनी, बढ़ा युद्ध का खतरा

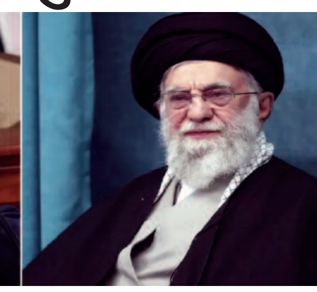

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए अर्जेंट ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। अमेरिकी सरकार ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने को कहा है। चेतावनी में आशंका जताई गई है कि तेहरान पर किसी भी वक्त सैन्य हमला हो सकता है।

ईरान स्थित वर्चुअल अमेरिकी दूतावास की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि नागरिक ऐसे हालात के लिए तैयार रहें, जहां उन्हें अमेरिकी सरकार से मदद न मिल सके। इंटरनेट बंद रहने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा बाधित होने की संभावना जताई गई है। लोगों को वैकल्पिक संचार साधन अपनाने और संभव हो तो तुर्की या आर्मेनिया के रास्ते जमीन से ईरान छोड़ने की सलाह दी गई है। जो लोग ईरान नहीं छोड़ सकते, उन्हें सुरक्षित स्थान पर रहने, भोजन-पानी और दवाओं का भंडारण करने तथा प्रदर्शनों से दूर रहने को कहा गया है। परिवार और दोस्तों से संपर्क बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही ईरान को सख्त चेतावनी दे चुके हैं। अमेरिका ने ईरान के पास एयरक्राफ्ट कैरियर वरर अब्राहम लिंकन सहित बड़ी नौसैनिक ताकत तैनात कर दी है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं।

गढ़चिरौली में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं। यह मुठभेड़ भामरागढ़ तहसील के अंतर्गत गढ़चिरौली-नारायणपुर सीमा पर स्थित फोडेवाडा जंगल क्षेत्र में हुई। सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ में दो पुलिस जवान घायल भी हुए हैं।

मुठभेड़ के बाद आज सुबह जब इलाके में तलाशी ली गई, तो वहां से दो और नक्सलियों के शव बरामद किए गए, जिनमें एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। इस तरह अब तक कुल तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। मौके से एक एके-47 राइफल और दो एसएलआर जैसे खतरनाक हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिससे नक्सलियों की भारी हथियारबंदी का पता चलता है। मुठभेड़ में घायल हुए सी-60 कमांडो यूनिट के दोनों जवानों को तुरंत एयरलिफ्ट कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार दोनों जवानों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम को प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की कंपनी नंबर-10 के उग्रवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिली थी। इसके बाद भामरागढ़ के एसडीपीओ के नेतृत्व में 14 सी-60 यूनिटों की टीम ने गढ़चिरौली-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में यह अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक मुठभेड़ के दौरान दो नक्सली शिविरों का भी भंडाफोड़ किया गया और वहां से नक्सलियों का सामान बरामद हुआ है। फिलहाल मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस एनकाउंटर, दो वांटेड बदमाश गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। आरके पुरम थाना क्षेत्र में हुई इस एनकाउंटर में दिल्ली पुलिस ने दो वांटेड अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसके साथी को मौके से पकड़ लिया गया।

पुलिस के अनुसार, आरके पुरम थाना पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि दो वांटेड बदमाश इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया। तड़के करीब साढ़े तीन बजे दोनों बदमाश जैसे ही इलाके में पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने एक आरोपी के पैर में गोली मारकर उसे काबू में कर लिया और दूसरे को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी लूट समेत कई संगीन मामलों में वांटेड थे और वारदात की योजना बना रहे थे। एनकाउंटर में बदमाशों ने छह गोलियां चलाईं, जबकि पुलिस ने चार राउंड फायर किए।

नेपाल के बैतड़ी जिले में दर्दनाक सड़क हादसा, 13 यात्रियों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले से सटे नेपाल के बैतड़ी जिले में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ, जब बस पहाड़ी और संकरे मार्ग से गुजर रही थी। अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और बस सड़क से फिसलते हुए खाई में जा गिरी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसा देर रात हुआ और क्षेत्र दुर्गम पहाड़ी होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद की और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद प्रशासन और बचाव दल ने कई घंटों की मशक्कत के बाद खाई से शवों और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को इलाज के लिए बैतड़ी और डडेलधूरा जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मृतकों की पहचान का कार्य अभी जारी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार, खराब सड़क और रात का अंधेरा माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने दुर्घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और बस व यात्रियों से संबंधित पूरी जानकारी जुटाई जा रही है।

चेन्नई में बर्ड फ्लू का अलर्ट, एच 5 एन 1 वायरस से सैकड़ों कौवों की मौत

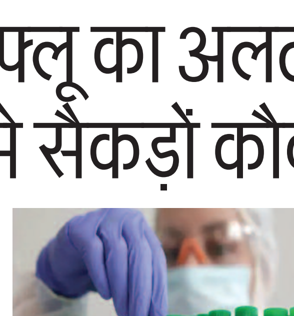

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ गया है। बीते कुछ दिनों में शहर के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों कौवे मृत पाए गए, जिसके बाद स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग सतर्क हो गया। लैब जांच में इन कौवों की मौत की वजह हाई पैथोजेनिक एच 5 एन 1 वायरस पाई गई है। इसके बाद राज्य सरकार ने एहतियातन अलर्ट और एडवाइजरी जारी की है।

बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने बीमारी को फैलने से रोकने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। एडवाइजरी के अनुसार, मरे हुए कौवों और पोल्ट्री पक्षियों को छूने या संभालने से बचने की सख्त हिदायत दी गई है। अधिकारियों ने कहा है कि सभी मृत पक्षियों के शवों को बायोसिक्योरिटी प्रोटोकॉल के तहत या तो जलाया जाए या फिर गहरे गड्ढे में दफनाया जाए, ताकि संक्रमण आगे न फैले। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय पशुपालन मंत्रालय ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। मंत्रालय ने प्रभावित इलाकों में तत्काल और व्यापक फील्ड निगरानी करने, सैंपलिंग बढ़ाने और किसी भी संदिग्ध मामले पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पोल्ट्री फार्मों और पक्षी बाजारों पर भी विशेष नजर रखने को कहा गया है। एच 5 एन 1 इन्फ्लूएंजा अ वायरस का एक खतरनाक स्ट्रेन है, जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू कहा जाता है। यह वायरस मुख्य रूप से पोल्ट्री और जंगली पक्षियों को संक्रमित करता है और तेजी से फैल सकता है। हालांकि इंसानों में इसका संक्रमण दुर्लभ है, लेकिन जब होता है तो यह गंभीर श्वसन संक्रमण और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे मरे या बीमार पक्षियों से दूरी बनाए रखें, किसी भी असामान्य स्थिति की जानकारी तुरंत स्थानीय प्रशासन को दें और अफवाहों से बचें। सतर्कता ही इस बीमारी से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

पत्नी के तानों और बेरोजगारी से परेशान युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

आरोप लगाया कि पत्नी उसे खाना तक नहीं देती

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पत्नी के तानों और बेरोजगारी से मानसिक रूप से परेशान एक युवक ने आत्महत्या की कोशिश की। यह घटना रामदयालु नगर रेलखंड के भगवानपुर ओवरब्रिज के नीचे की बताई जा रही है। युवक रेलवे ट्रैक पर लेटकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। आत्मघाती कदम उठाने से पहले उसने अपनी पत्नी को वीडियो कॉल कर इसकी जानकारी भी दी। बताया जा रहा है कि युवक सिकंदरपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वायरल वीडियो में वह मोबाइल कैमरे पर अपनी परेशानी बताते हुए ट्रेन से कटने की बात कहता नजर आ रहा है। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कुछ राहगीरों की नजर युवक पर पड़ी। हालात की गंभीरता को समझते हुए लोगों ने तुरंत रेलवे ट्रैक पर पहुंचकर उसे वहां से हटाया और उसकी जान बचा ली। बातचीत में युवक ने बताया कि वह लंबे समय से बेरोजगार है और पत्नी की लगातार शिकायतों व तानों से टूट चुका है। उसने आरोप लगाया कि पत्नी उसे खाना तक नहीं देती और रोजाना झगड़े होते हैं। मानसिक दबाव में आकर उसने यह कदम उठाया।

मुख्यमंत्री के आदेश का पालन हवा में

सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड ऑटो

मथुरा शहर की सड़क पर दौड़ते टेंपों में भरी सावरियां।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा में करीब छह दिन पहले कंटेनर और ऑटो के बीच हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही गंभीरता दिखाई, लेकिन मथुरा के अधिकारियों ने उनकी गंभीरता को गंभीर नहीं समझा, तभी तो सड़कों पर कंटेनर और ऑटो सवारियों को लेकर रफ्तार भर रहे हैं। भले ही किसी की जान चली जाए। इसका मतलब साफ है कि मुख्यमंत्री कैसा भी आदेश दें दे, लेकिन आदेश का पालन करना अधिकारियों की मर्जी पर है। छह दिन बाद यूनिक समय की टीम ने शहर की सड़कों पर ऑटो में भरी सवारियों का नजारा देखा। लग रहा था कि मुख्यमंत्री के आदेश को कोई असर नहीं है। ऑटो में अंदर सवारियां और लटकती सवारियां। चाहे यकायक इन ऑटो की टक्कर किसी बड़े वाहन से हो जाए। टक्कर होगी तो क्या होगा। शायद कोई सोच भी नहीं सकता है। यात्रियों को भर-भरकर ले जाने वाले ऑटो हर तिराहे, चौराहों से गुजरते हैं, जहां ट्रैफिक पुलिसकर्मी खड़े रहते हैं, लेकिन उनको कोई टोकने वाला नहीं होता है। इसी तरह से थाने और पुलिस चौकियों के सामने से यह ऑटो गुजरते हैं, पर कोई भी पुलिसकर्मी टोकने वाला नहीं होता है। यदि रास्ते में ओवर लोडिंग वाहनों पर टोका टाकी होगी तो निश्चित रूप से सड़क हादसे कम होंगे। यात्री रोशन सिंह का कहना है कि परिवहन निगम के बसों का संचालन सही न होने से लोगों को ऑटो में यात्रा करने को विवश होना पड़ता है। यदि सरकारी बसों को संचालन सही हो तो लोग ऑटो में यात्रा कम करेंगे। महिला यात्री कमलेश कहती हैं कि ऑटो में यात्रा मुश्किल दौर में की जाती है। सरकारी बसों के इंतजार में काफी समय बीत जाता है। इस बीच ऑटो आ जाता है तो उसमें बैठना मजबूरी हो जाता है।

आज के समय में धर्म को अध्यात्म से जोड़ना जरूरी

संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करते विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य लोकेश।

दो संतों के बीच चर्चा में हुआ मंथन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य लोकेश ने एक दिवसीय दौरे के दौरान संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। दोनों संतों के बीच विश्व शांति, शांति शिक्षा और युवाओं के आध्यात्मिक विकास जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। दोनों संत इस बात पर सहमत थे कि आज के समय में धर्म को अध्यात्म से जोड़ना जरूरी है। अध्यात्म ही मानव मन को शुद्ध करता है और यही वैश्विक शांति का स्थायी रास्ता है। जैन आचार्य लोकेश ने प्रेमानंद महाराज से कहा-यूक्रेन-रूस संघर्ष को समाप्त करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किए जा रहे हैं। आप प्रार्थना करें कि ये प्रयास शीघ्र सफल हों। इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा कि ऐसा परिणाम केवल आध्यात्मिक मार्ग से ही संभव है। प्रेमानंद महाराज ने कहा कि नीतियों से मात्र विश्व शांति स्थापित नहीं हो सकती, यह तभी संभव है जब मानव मन शुद्ध हो। जब व्यक्ति भीतर से शांत होगा गौरतलब है कि संत प्रेमानंद महाराज ने कल खुद स्कूटी चलाई। वो हमेशा की तरह साधना के लिए केलीकुंज आश्रम से यमुना तट के लिए अपनी फॉरच्यूनर कार से निकले थे। बीच रास्ते अचानक उन्होंने कार रुकवा दी और नीचे उतर आए। भक्त भी उनके पीछे-पीछे दौड़ते रहे। राधे-राधे के जयकारे लगाते रहे। वीडियो बनाते रहें। सेवादारों के मना करने के बावजूद कुछ भक्तों ने प्रेमानंदजी का वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

पीएम श्री योजना के तहत जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

यूनिक समय, मथुरा। पीएम श्री योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन श्री मोहन सिंह पहलवान स्टेडियम, गणेशरा में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी ने किया। प्रतियोगिता में पीएम श्री विद्यालय (कक्षा 1 से 5) श्रद्धानंद, सिहौरा एवं सौसा के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। जिले में संचालित 16 पीएम श्री विद्यालयों में से 10 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 180 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। जिला समन्वयक प्रशिक्षण विक्रांत कुमार ने जिला स्तरीय निर्णायक मंडल की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ (बालक-बालिका), लंबी कूद, कबड्डी एवं खो-खो सहित एक दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 100 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) प्रथम अतुल, द्वितीय श्याम, तृतीय अर्जुन, 100 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रथम जयप्रभा, द्वितीय काजल, तृतीय भारती रही। 200 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) प्रथम श्याम, द्वितीय अर्जुन, तृतीय सचिन, 200 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रथम अंजलि, द्वितीय नीलम, तृतीय सपना, 400 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) प्रथम सूरज, द्वितीय रोहित, तृतीय सागर, 400 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) प्रथम जयप्रभा, द्वितीय तनु, तृतीय पूनम रही। लंबी कूद (बालक वर्ग) प्रथम कान्हा, द्वितीय श्याम, तृतीय प्रशांत, लंबी कूद (बालिका वर्ग) प्रथम जयप्रभा, द्वितीय फिजा, तृतीय नीलम, कबड्डी बालक वर्ग: प्रथम पीएम श्री बालिका वर्ग: प्रथम माट राजा, द्वितीय बाटी, खो-खो बालक वर्ग: प्रथम बाटी, द्वितीय माट राजा, बालिका वर्ग: प्रथम नगला बली, द्वितीय बाटी विजेता रहे। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। संचालन बलवीर सिंह ने किया।

जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता आठ फरवरी से

द मिलेनियम स्कूल में होगी प्रतियोगिता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के बैनर तले डस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ने जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 8 फरवरी को द मिलेनियम स्कूल में कराने का निर्णय लिया है। रोलर स्केटिंग जिले के कोर्डिनेटर डॉ दलबीर सिंह कौन्तेय ने बताया कि प्रतियोगिता एडजेस्टेबल स्केट्स क्वड, इन लाइन टॉयज एवं प्रोफेशनल स्केट्स के चार कैटेगरी में होगी। इसमें 6 से 8 आयु वर्ग, 8 से 10 आयु वर्ग, 10 से 12 आयु वर्ग, 12 से 15 आयु वर्ग, 15 से 18 एवं 18 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग में बालक एवं बालिका भाग लेंगे। कोर्डिनेटर कुन्तेय ने सभी स्कूलों एवं कोचों से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता में भेजने का अनुरोध किया है। इसी प्रतियोगिता के आधार पर मथुरा टीम का चयन किया जाएगा जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दाऊजी महाराज क्रिकेट टीम को क्रिकेट किट प्रदान की

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। भारतीय किसान संघ जिला उपाध्यक्ष समाजसेवी गोविंद सिंह जादौन ने गांव की दाऊजी महाराज क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को खेलकूद का सामान किट वितरण किया। बच्चों ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने का अच्छा काम गोविंद ने किया है। इस मौके पर धीरज, रामेश्वर, कान्हा, देवों, अजय, बिसविंदर, कन्हैया, प्रीतम, रवि एवं सौरभ आदि मौजूद थे।

छत से गिरकर घायल हुए किशोर की मौत

यूनिक समय, छाता। कोतवाली छाता के गांव अलवाई में छत से गिरकर घायल हुए किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव अलवई निवासी किशोर सागर पुत्र जगदीश छत से चार पांच दिन पहले जमीन पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया था। घायल किशोर को परिवार के लोगों ने केडी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती करा रखा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आठ दिन पूर्व दुर्घटना के घायल ने तोड़ा दम

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जैंत थाना क्षेत्र में करीब आठ दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना के घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। हाईवे थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में गांव खायरा निवासी शिवम बुरी तरह से घायल हो गया था। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना जैंत क्षेत्र में आठ दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए हरिओम निवासी जैंत बुरी तरह से घायल हो गया था। घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वैभव पाराशर छह माह के लिए मथुरा से निष्कासित

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने अवैरनी, थाना बलदेव निवासी वैभव पाराशर को छह माह के लिए जनपद की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया है। आदेश के अनुसार वैभव पाराशर को तुरंत मथुरा जनपद छोड़ना होगा और छह माह तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करना होगा। जनपद से बाहर रहने की जानकारी उसे थाना बलदेव के प्रभारी निरीक्षक को देनी होगी। प्रशासन ने साफ कहा है कि यदि आदेश का उल्लंघन किया या तय अवधि से पहले मथुरा में प्रवेश किया, तो उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 10 व 11 के तहत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

मछली फाटक पुल फसाड लाइटों से रोशन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में नगर निगम ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। शहर के व्यस्त मछली फाटक पुल को अब फसाड लाइटों से रोशन किया जाएगा। नगर निगम ने पुल पर फसाड लाइटिंग का कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया है, जिससे क्षेत्र की रौनक बढ़ेगी। सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी ने बताया कि मछली फाटक पुल को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। परियोजना के तहत पुल की संरचना के अनुरूप विशेष फसाड लाइटें लगाई जा रही हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि यह पूरा कार्य 7 फरवरी तक संपन्न कर लिया जाए। कार्य पूरा होने के बाद मछली फाटक पुल न केवल यातायात के लिए सुरक्षित और सुगम होगा, बल्कि शहर की सुंदरता में भी वृद्धि करेगा। अधिकारियों का मानना है कि फसाड लाइटिंग से शहर का रात्रिकालीन दृश्य अधिक आकर्षक बनेगा। इससे धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मथुरा पहले से ही एक प्रमुख धार्मिक नगरी है, और ऐसे सौंदर्यीकरण कार्य शहर की पहचान को और सशक्त करते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले नगर निगम होली गेट, श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर, द्वारिकाधीश मंदिर, पोतरा कुंड और छटीकरा अंडरपास पुल पर भी फसाड लाइटिंग का कार्य करा चुका है।

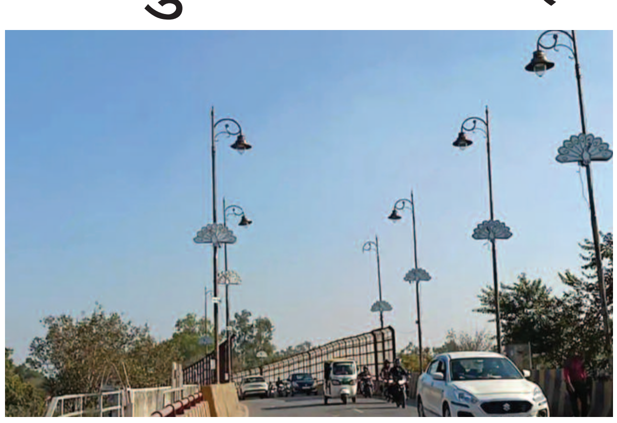

मछली फाटक पर लगाई फसाड लाइटों का नजारा।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053